आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.25
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 273, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 9

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में, एक्यूआई 303

- सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में रहा एक्यूआई 383 दर्ज किया गया
- 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को और बिगड़ गई व यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया जोकि एक दिन पहले 218 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम चार बजे 303 रहा, जो वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट को दर्शाता है। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 383 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों में यह खराब श्रेणी (300 से नीचे) में रही। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम 5:30 बजे आर्द्रता का स्तर 73 प्रतिशत रहा।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू होने के बाद शनिवार को 250 से अधिक वाहनों को दिल्ली की सीमाओं से वापस लौटा दिया गया। दिल्ली की सीमाओं पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की टीम तैनात की गई हैं। दिल्ली यातायात पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 5,325 गैर-गंतव्य वाहनों की जांच की गई और उनमें से 256 को वापस भेज दिया गया। वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र न होने के कारण 1,747 वाहनों को चालान जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि परिवहन विभाग ने प्रतिबंध का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं। उन्होंने बताया कि जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वांगलापुडी अनीता ने कहा कि यह मंदिर निजी संपत्ति है और धर्मस्व विभाग के अधीन नहीं है, यहां आमतौर पर हर शनिवार को 1,500 से 2,000 श्रद्धालु आते हैं। कार्तिक मास के साथ ही एकादशी का पर्व पड़ने से यह त्रासदी और भी बड़ी हो गई, क्योंकि इस दिन बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे।

मंत्री के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे तो रेलिंग टूट गई, जिसके परिणामस्वरूप एक कोने पर खड़े लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। इच्चापुरम के निकट धर्मपुरम गांव के एक जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि मंदिर तक पहुंचने का रास्ता संकरा है, जिसमें प्रवेश और निकास का केवल एक ही रास्ता है, दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई और अव्यवस्था फैल गई। मृतकों में से कम से कम सात लोग 35-40 वर्ष की आयु के हैं। श्रीकाकुलम जिले के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि इस विशेष मंदिर के मालिक मुकुंद पांडा उन्हें सूचित करने में विफल रहे। रेड्डी के अनुसार, पांडा ने बिना अपेक्षित अनुमति के मंदिर का निर्माण किया और उसे खोल दिया। मंदिर का निर्माण कराने वाले 95 वर्षीय मुकुंद पांडा ने मीडिया को बताया कि उन्हें मंदिर में इतने सारे लोगों के आने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले कभी इतनी ज्यादा भीड़ नहीं देखी थी। इस बीच, एसपी ने कहा कि गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख व घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

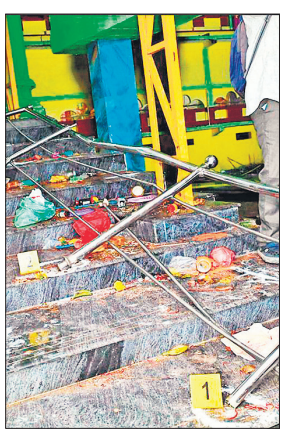

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। दाएं : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जाएगी। नायडू ने आयोजकों पर पुलिस को पहले से सूचित न करने का आरोप लगाया, जिसके कारण पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा सकी। मुख्यमंत्री नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। यह बहुत दुखद है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, हम इस घटना को गंभीरता से लेंगे। जो भी जिम्मेदार होगा, उसे हिरासत में लिया जायेगा और समुचित जांच की जायेगी।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है : गवई

प्रयागराज, एजेंसी

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में प्रधान न्यायाधीश ने रखे विचार

शीर्ष कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है और भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गवई ने कहा, कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं, लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुताबिक गवई ने कहा कि जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर उच्च न्यायालय होते हुए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। सीजेआई ने नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के अस्थिर लोकतंत्र का उदाहरण देते हुए कोलेजियम प्रणाली को सही ठहराया और कहा कि इस व्यवस्था में नियुक्तियों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के 'इनपुट' शामिल होते हैं और इसके आधार पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है। वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि आंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया और उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर समाज में व्याप्त जाति, लैंगिक और समाज आधारित भेदभाव को समाप्त करने के पक्षधर थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूण भंसाली ने कहा कि बाबासाहेब के लिए, संविधान समाज में व्याप्त असमानता और अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के चीफ इंजीनियर निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन आशीष गोयल ने सख्त कार्रवाई करते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) हरिश्चंद्र वर्मा को निलंबित कर दिया है। वर्मा पर संविदा कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और कार्य निष्पादन में लापरवाही के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में निगम के विभिन्न मंडलों से संविदा कर्मियों की नियुक्ति में मनमानी और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। जांच के दौरान यह पाया गया कि वर्मा ने न केवल नियुक्ति नियमों का पालन नहीं किया, बल्कि विभागीय आदेशों की अनदेखी भी की। साथ ही, कई मामलों में कार्यदायित्वों के प्रति लापरवाह रवैया अपनाया गया था। इन आरोपों की पुष्टि के बाद चेयरमैन ने शुक्रवार को आदेश जारी करते हुए वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम से संबद्ध किया गया है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया : उपेंद्र

रीवा (मप्र), एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया।

छोटे व्यवसायों को तीन दिनों में मिलेगा जीएसटी पंजीकरण

नई दिल्ली। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्य दिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। जीएसटी विभाग शनिवार से जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है। छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। ऐसे आवेदक जो खुद आकलन करते हैं कि उनकी कर देयता 2.5 लाख रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होगी, वे भी इस योजना के लिए पात्र हैं।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 2 नवंबर 2025

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

माघ मेला की तैयारी पूरी करें : एके शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को आगामी माघ मेला 2025 में सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए हैं। नगर विकास मंत्री शनिवार को तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों और मिशन शक्ति वॉलेंटियर्स की सराहना की। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने घरों के कर भुगतान के लिए ओटीएस सिस्टम (वन टाइम सेटलमेंट) लागू करने का अनुरोध किया।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

फर्जी मतदाता पकड़ेगा आयोग का मोबाइल एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रों पर आने वाले हर मतदाता की होगी रीयल टाइम फोटो कैप्चर

अमृत विचार : प्रदेश में अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में फर्जी मतदान पर रोक लगाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग नई तकनीक अपनाने जा रहा है। आयोग एक विशेष मोबाइल एप तैयार करा रहा है, जिसके जरिए मतदान केंद्रों पर आने वाले हर मतदाता की रीयल टाइम फोटो कैप्चर की जाएगी। यह फोटो तत्काल आयोग के सर्वर पर सिंक हो जाएगी, जिससे कोई भी मतदाता एक से अधिक बार या अलग चरण में वोट नहीं डाल सकेगा।

आयोग के अनुसार, वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में 12.45 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से करीब 2.27 करोड़ मतदाता डुप्लीकेट पाए गए। इनमें 90 लाख से अधिक मतदाता ऐसे थे, जिनके नाम, पिता का नाम और लिंग समान थे। इस बार आयोग फर्जी मतदाताओं को सूची से हटाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को सत्यापन के निर्देश दे चुका है।

नई एप प्रणाली से मतदान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनेगी। आयोग का दावा है कि इस तकनीक से न सिर्फ डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान आसान होगी, बल्कि चुनाव में फर्जी मतदान की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। इस एप का उपयोग मतदान के दिन सभी पीठासीन अधिकारी करेंगे। मोबाइल नंबर पर वन टाइम पासवर्ड के जरिये वे इस एप पर जाकर लॉगइन कर सकेंगे।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निर्धारण होगा ऑनलाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां- प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी। यह संपूर्ण कार्रवाई परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in के माध्यम से होगी।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भाजपा

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

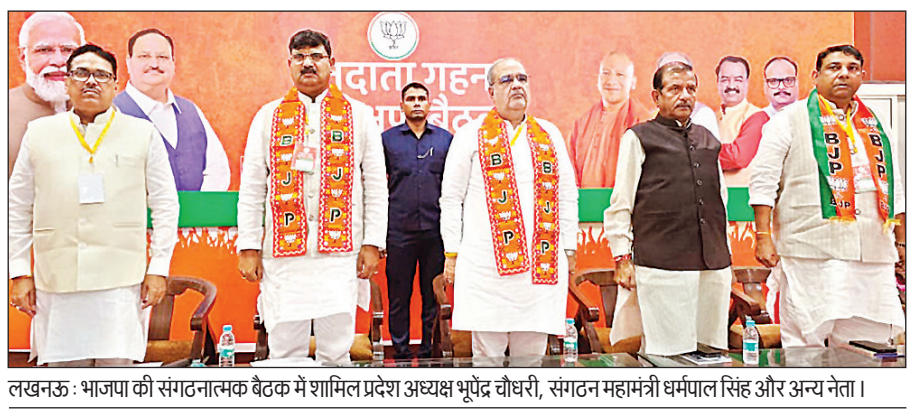

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनभागीदारी को सशक्त बनाएगी भाजपा : भूपेंद्र सिंह

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें।

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी करेंगे।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी समाज जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर

उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

सरकारी अस्पतालों में बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई : महानिदेशक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है। चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

प्रतिक्रिया — यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

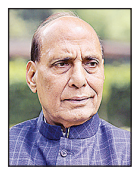

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री
उत्तर प्रदेश

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ई ओ ड ब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने लिया मेला की तैयारियों का जायजा

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा कार्तिक पूर्णिमा मेला के दृष्टिगत भारत भारी मेला डुमरियागंज का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सम्बन्धित को निर्देश दिए कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएं। यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मेले में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। झूला के लिए एनओसी मिलने के बाद ही झूला शुरू करें। साफ-सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया।

मृत भेड़ों का अविलंब मुआवजा दें : मणेन्द्र

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने शोहरतगढ़ के बढ़नी ब्लॉक में भरौली के पास ट्रक द्वारा दुर्घटना में लगभग 150 भेड़ों की कुचलकर मृत्यु हो जाने की जानकारी मिलने पर आज सुबह घटनास्थल पहुंचकर पीड़ितों से भेंट कर संवेदना व्यक्त किया। श्री मिश्रा ने उच्चाधिकारियों से फोन पर बात कर मृत भेड़ों की मुआवजा राशि अविलंब उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही पशु अस्पताल में पशु चिकित्सक से बात कर भेड़ों की पोस्टमार्टम समय से सुनिश्चित कराने को लेकर सक्रिय रहे।

एडीएम व एएसपी ने किया बिड़हर घाट का निरीक्षण

संतकबीरनगर। आगामी कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेला की तैयारियों के मद्देनजर शनिवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व जयप्रकाश एवं एएसपी सुशील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बिड़हरघाट का निरीक्षण किया।

हर पीड़ित की समस्या का हो समाधान : डीएम

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की फरियाद

संवाददाता कुशीनगर।

संपूर्ण समाधान दिवस में सुनवाई करते जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक।

अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति कसया तहसील के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सभागार में आए हुए तहसील क्षेत्र के फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को एक-एक कर गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया तथा शेष प्रार्थना पत्रों के निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए संबंधित को सौप दिये गए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को प्राथमिकता पर रखते हुए हर पीड़ित की समस्या का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिन शिकायतों का निस्तारण तत्काल नहीं हो सका है उनका समय से शासन के मंशानुरुप निर्धारित समय के भीतर पारदर्शिता के साथ संतुष्टिपूर्ण निस्तारण होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षो को प्राप्त सभी सन्दर्भो का निस्तारण राजस्व विभाग की सहायता से टीम बनाकर प्राथमिकता एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये।आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से राजस्व विभाग के 47 में से 04 को मौके पर निस्तारित किया गया।

डीएम ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील इटवा में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील इटवा में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी कहा कि शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

हार्डवेयर दुकान का ताला तोड़कर दो लाख की चोरी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के नेदुला चौराहे के समीप चोरों ने एक हार्डवेयर की दुकान का ताला तोड़कर करीब दो लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। चोर दुकान से करीब 95 हजार रुपये नकदी, सीसीटीवी डीवीआर और अन्य कीमती सामान चुरा ले गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के व्यापारी विपुल रुंगटा और विजय रुंगटा की नेदुला बाईपास स्थित शुभ कोंपल नाम से हार्डवेयर की एजेंसी है। एजेंसी में सीमेंट, गिट्टी, बालू, पेंट और अन्य हार्डवेयर सामग्री की बिक्री की जाती है। व्यापारी विपुल रुंगटा ने बताया कि शुक्रवार की रात दुकान बंद करने के बाद वह गोरखपुर चले गए थे। शनिवार सुबह जब सफाई करने वाली महिला कर्मचारी दुकान पहुंची, तो उसने मेन दरवाजे का ताला टूटा देखा और अंदर का सामान बिखरा पाया। यह देखकर उसने तुरंत पीछे बने क्वार्टर में रहने वाले कर्मचारियों को घटना की सूचना दी। कर्मचारियों ने मुझसे संपर्क किया। जिसके बाद तत्काल गोरखपुर से मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और फील्ड यूनिट घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से भी साक्ष्य जुटाए। मालिक विपुल रुंगटा ने बताया कि चोरों ने दुकान के गल्ले से करीब 95 हजार रुपये नकद, सीसीटीवी का डीवीआर और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है।

बेमौसम बरसात ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जिले में बीते 5 दिनों से हो रही रिमझिम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बेमौसम बरसात से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही है। बारिश से राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हुई हल्की बारिश के कारण ठंड भी बढ़ गई है।गांवों और कस्बों की सड़कों पर जगह-जगह कीचड़ और पानी भर गया, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। छठ पर्व के दिन शुरू ही बारिश शनिवार को भी जारी रही।बारिश का सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ा है, जिन किसानों ने धान की फसल काट ली है, वे अब धान की मड़ाई और सुखाने को लेकर परेशान हैं, जबकि जिनके खेतों में फसल पक कर तैयार थी वह बरसात व हवा के चलते जमीदोज हो गई है जो खड़ी है उन्हें नुकसान का डर सता रहा है। वहीं किसानों की काटकर खेतों में छोड़ी गई फसल खराब हो गई है। इस बारिश के कारण सरसों की बुआई में भी देरी हो रही है, जिससे अगली फसल की तैयारी पर असर पड़ रहा है। वहीं किसानों का मानना है कि इस बरसात के चलते गेहूं की बुवाई पर भी असर पड़ेगा। किसानों ने जिला प्रशासन से सर्वे कराकर उचित मुआवजा की मांग की है।

सिपाहियों की वसूली का वीडियो वायरल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र कपिलवस्तु प्रकरण के जांच के नाम पर दो सिपाहियों के धन वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों सिपाही सिविल ड्रेस में दिखाई पड़ रहे हैं। अधिकारियों ने वायरल वीडियो की जांच के लिए निर्देशित किया। हालांकि संवाददाता इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। कपिलवस्तु थाना के पुलिस चौकी बजहा में तैनात दो सिपाहियों के धन वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि पुलिस चौकी क्षेत्र के रामनगर गांव में दोनों सिपाही किसी जांच में राहत देने के नाम पर सम्बन्धित ग्रामीण से रुपये की मांग कर रहे है।

उद्योगों के लिए निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करना यूपीसीडा का लक्ष्य : विजय

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद ने शनिवार को कानपुर स्थित मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समस्त विभागों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित औद्योगिक निवेश, लक्ष्यों एवं प्राथमिक नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए पारदर्शी, आधुनिक और निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करना संस्था का लक्ष्य है।

बैठक करते यूपीसीडा के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद।

मुख्यकार्यपालक अधिकारी ने प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में यूपीसीडा को निर्धारित नीतियों एवं योजनाओं को प्रभावी तरह से लागू करने के निर्देश दिए। विजय किरण आनंद ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि यूपीसीडा राज्य सरकार के इनवेस्ट यूपी विज़न को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेगा। प्रदेश को एक सशक्त औद्योगिक राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से यूपीसीडा की प्राथमिकता औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार, आधुनिकीकरण एवं प्रतिस्पर्धी निवेश माहौल के निर्माण पर केंद्रित है।

इंदिरा की पुण्यतिथि व सरदार पटेल की जयन्ती मनाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला कांग्रेस कार्यालय पर भारत रत्न, देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती शुक्रवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष अनिल सिंह अन्नू, महासचिव सुदामा प्रसाद, सचिव ओमप्रकाश दूबे ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता, अखण्डता और विकास के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान भारतीय राजनीति के इतिहास में अमर रहेगा। आज हम सबका कर्तव्य है कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश की तरक्की और भाईचारे को मजबूत करें।

खाटू श्याम की निकली निशान यात्रा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बाबा खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा शनिवार को बड़े धूमधाम से निकाली गई। बखिरा नगर पंचायत के बाबा भंगेश्वर नाथ मंदिर से आरंभ हुई इस यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कोपिया स्थित बाबा कोपेश्वर नाथ शिव मंदिर और खलीलाबाद के गोला बाजार स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर तक पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान पूरा शहर व कस्बा "श्याम नाम" के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठा।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु श्याम तेरी बंशी पुकारे राधा नाम और श्याम नाम के दीवाने जैसे भजनों पर झूमते नजर आए। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी भक्ति में लीन होकर आगे बढ़ते रहे। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की और फूलों की होली खेलते हुए "श्याम बाबा" के जयकारे लगाए। सड़क किनारे खड़े लोगों ने भी यात्रा पर फूल बरसाकर श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ. हरिओम बक्शी ने कहा कि खाटू श्याम की यह यात्रा आस्था के साथ-साथ समाज में एकता, प्रेम और सद्भावना का प्रतीक है।

खाटू श्याम की निशान यात्रा निकालते श्रद्धालु। अमृत विचार

पूर्व प्रधान समेत चार पर मारपीट व एससी-एसटी एक्ट का केस दर्ज

बखिरा/संतकबीरनगर, अमृत विचार। बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जसवल में सोशल ऑडिट की बैठक को लेकर हुए विवाद के बाद पूर्व प्रधान समेत चार लोगों के खिलाफ शनिवार को पुलिस ने मारपीट व एससी-एसटी एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि बैठक की जानकारी न होने पर जवाब देने से नाराज होकर आरोपियों ने जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम जसवल निवासी श्रद्धानन्द कन्नौजिया पुत्र रामलौट ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को ग्राम पंचायत में सोशल ऑडिट की खुली बैठक आयोजित थी। जब सोशल ऑडिट टीम ने उनसे बैठक के उद्देश्य के बारे में पूछा, तो उन्होंने जानकारी न होने की बात कही। इसी बात से नाराज होकर ग्राम के श्रीकान्त राय, लक्ष्मीकान्त राय, पूर्व प्रधान अनूप राय और चन्द्र भूषण राय ने अगले दिन 31 अक्टूबर की सुबह उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि चारों ने जातिसूचक गालियां देते हुए श्रद्धानन्द को लाठी-डंडे से पीटा।

यातायात माह नवम्बर का डीएम और एसपी ने किया शुभारंभ

संतकबीरनगर। यातायात माह नवम्बर 2025 का शुभारंभ डीएम आलोक कुमार व एसपी संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से शनिवार को पुलिस कार्यालय परिसर से किया। एक नवंबर से 30 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान की रैली को डीएम आलोक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ने शहर में भ्रमण कर आम जनमानस को यातायात नियमों के बारे में जानकारी प्रदान किया। डीएम ने ने लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। कहा कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठें, बिना नंबर प्लेट वाहन न चलाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं।

11वीं की छात्रा और बस ड्राइवर ने मंदिर में शादी कर खाया विषाक्त

गोरखपुर, अमृत विचार। गुलरिहा थाना क्षेत्र में 11वीं की छात्रा अपने स्कूल के बस ड्राइवर के साथ भाग गई और मंदिर में शादी रचा ली। पकड़े जाने के डर से दोनों ने कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या की कोशिश की। दोनों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां छात्रा की हालत स्थिर है जबकि ड्राइवर गंभीर है।

बताया जाता है कि 17 वर्षीय छात्रा शहर के एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती है। उसी स्कूल की बस चलाने वाला अभिषेक शर्मा (23) उर्फ हैप्पी, नाहरपुर का रहने वाला है। दोनों के बीच करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध थे। 30 अक्टूबर की शाम दोनों लापता हो गए और देर रात फुलवरिया के एक मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद घरवालों के विरोध और पकड़े जाने के डर से दोनों ने जहर खा लिया। अभिषेक ने एक वीडियो बनाकर रिश्तेदारों को भेजा, जिसमें दोनों ने कहा कि 'साथ जी नहीं सकते, लेकिन साथ मरेंगे।' वीडियो देखकर परिजन मौके पर पहुंचे तो दोनों अचेत अवस्था में मिले। पुलिस ने उन्हें अस्पताल भिजवाया। जहां दोनों का उपचार चल रहा था।

पूजा विशेष गाड़ी का संचालन आज व कल

गोरखपुर, अमृत विचार। छठ महापर्व के बाद यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा 05511 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 2 नवम्बर को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 3 नवम्बर को किया जायेगा। 05511 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी 2 नवम्बर को सहरसा से 08 .05 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए आनन्द विहार टर्मिनल 10 .15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05512 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा पूजा विशेष गाड़ी 3 नवम्बर को आनन्द विहार टर्मिनल से 12 .00 बजे प्रस्थान कर सहरसा 17 .15 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एस .एल .आर .डी . के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। दीपावली एवं छठ महापर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 2 नवम्बर को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से पूजा विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। जिसमें 05314 गोमती नगर-महबूबनगर, 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी, 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी, 05045 लालकुआँ-राजकोट पूजा विशेष गाड़ी, 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई), 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी, 08630 गोरखपुर-राँची पूजा विशेष गाड़ी, 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी, 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

नायब तहसीलदार को एसिड फेंकने की धमकी, महिला पर केस

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने शनिवार की देर शाम दुधारा थाना क्षेत्र के बभनी बौरा निवासी महिला के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि महिला ने खलीलाबाद तहसील की नायब तहसीलदार द्वितीय प्रियंका त्रिपाठी को अपने पक्ष में फैसला न देने पर तेजाब फेंकने की धमकी दी थी। राजस्व निरीक्षक चंद्रभूषण की तहरीर पर यह मुकदमा दर्ज किया गया। वह तहसील खलीलाबाद में न्यायालय नायब तहसीलदार द्वितीय में पेशकार के पद पर कार्यरत हैं। उनके अनुसार, 27 अक्तूबर 2025 को भानमती पत्नी राम लगन, निवासी बभनी बौरा, तहसील परिसर पहुंची और न्यायालय में यह धमकी दी कि यदि उसकी पत्रावली सर्वजीत बनाम राम लगन में दाखिल-खारिज का आदेश उसके पक्ष में नहीं दिया गया, तो वह नायब तहसीलदार एवं पेशकार पर एसिड फेंक देगी, न्यायालय में आग लगा देगी और स्वयं को भी आग के हवाले कर देगी। आरोप है कि उक्त महिला तहसील में लगातार सरकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रही थी। उसी दिन वह डीएम कार्यालय भी पहुंची, जहां मौजूद अधिकारियों ने उसे समझाकर वापस भेजा। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित गिरफ्तार

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने शनिवार को गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त महेश कुमार उर्फ गुड्डू निवासी बयारा गांव को मंझरिया रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ घरों में घुसकर चोरी करने सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय ने यह जानकारी दी।

रामधुन में झूमते 30 लाख श्रद्धालुओं ने पूरी की पंचकोसी परिक्रमा

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या में देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर पंचकोसी परिक्रमा में करीब 30 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था के पग पूर्ण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। साधु-संतों ने शनिवार सुबह ब्रह्म मुहूर्त में 4:04 बजे सरयू स्नान के बाद परिक्रमा की शुरुआत की, जो लगभग 15 किलोमीटर लंबे पथ पर भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम बन गई। रामधुन व जय श्रीराम के जयकारों से पूरा परिक्रमा पथ गुंजायमान रहा, तो वहीं महिलाएं और युवा पारंपरिक भजनों पर झूमकर नांचे।

सरयू मैया के तट पर स्नान करते ही श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। नंगे पांव, भगवा अंगवस्त्र ओढ़े साधु और आम भक्तों ने एक साथ कदम बढ़ाए। मार्ग पर श्रद्धा से ओतप्रोत महिला व पुरुष परिक्रमार्थियों ने 'चढ़ गया भगवा रंग' और 'राम आएंगे' जैसे भजनों पर नांचते-गाते आगे बढ़ते रहे। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं के समूहों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य किया। अयोध्या के आसपास के जिलों के साथ राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार समेत अन्य राज्यों से आए श्रद्धालु इस आस्था के सैलाब का हिस्सा बने। रविवार भोर में 2:57 बजे परिक्रमा का समापन हुआ।

देवोत्थानी एकादशी पर पंचकोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं से पटी रामनगरी : पंचकोसी परिक्रमा में आस्था की गठरी बाधें आए श्रद्धालु जय श्री राम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे। दुश्वारियां आईं भी तो विश्वास के हथौड़े से तोड़ पंचकोसी परिक्रमा कर पुण्य लाभ कमाया। ● प्रशांत शेखर

भोर में बह्म मुहूर्त पर 4:04 बजे साधु संतों ने सरयू स्नान के बाद शुरू की परिक्रमा

15 किमी. परिक्रमा पथ पर दिखा श्रद्धालुओं का सैलाब, लोगों ने सराही प्रशासनिक व्यवस्था

जय श्री राम के उद्घोष के साथ पंचकोसी परिक्रमा करते साधु-संत।

3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में किया दर्शन-पूजन

कार्तिक परिक्रमा मेला में शामिल होने अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं ने पंचकोसी परिक्रमा कर मंदिरों में दर्शन किया। राम मंदिर में भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार रही। भीड़ को देखते हुए हनुमान गढ़ी मंदिर में सुबह पांच बजे से ही दर्शन प्रारंभ हो गया। शाम तक मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में दर्शन पूजन किया। हनुमानगढ़ी मंदिर में यह संख्या दोगुनी से ज्यादा बताई गई।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 2 नवंबर 2025

सहकारी समिति के अध्यक्ष के इकलौते बेटे और उसके दोस्त की हादसे में मौत

कैंटीन बंद कर बाइक से वापस लौटते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

संवाददाता, हरदोई

अभय व मोहित की फाइल फोटो।

अमृत विचार : साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष का इकलौते बेटे व उसके दोस्त की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब अध्यक्ष का बेटा कैंटीन बंद करने के बाद अपने दोस्त के साथ बाइक से वापस लौट रहा था। बीच रास्ते में तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों के सिर में गहरी चोट पहुंची और मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

कोतवाली शहर के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी छोटे भइया के पुत्र मोहित (20) की सैतियापुर शराब ठेके के बगल में कैंटीन थी। साण्डी थाने के खेरवा अमजदपुर मजरा सदुल्लापुर निवासी और शहर में बावन चुंगी पर रह रहे साधन सहकारी समिति सैतियापुर के अध्यक्ष व शक्ति केन्द्र संगैचामऊ के संयोजक का पुत्र अभय (18) उसकी गहरी दोस्ती थी। अभय तीन बहनों में अकेला भाई था। शुक्रवार को मोहित अपनी कैंटीन पर था, अभय भी वहीं पहुंच गया था। देर शाम कैंटीन बंद कर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में बावन रोड पर समुदा और बिस्कुला के बीच तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, दोनों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां अभय की मौत हो गई। मोहित को हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। उसे लखनऊ ले जाया जा रहा था, उसी दौरान रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। कोतवाली शहर पुलिस ने अभय और कोतवाली देहात पुलिस ने मोहित के शव को कब्ज़े में लेते पोस्टमार्टम कराया है।

फर्जी दस्तावेज पर पंजीकरण कर 19.5 करोड़ की टैक्स चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अधिकारियों ने सात कंपनियों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: राज्यकर विभाग के अधिकारियों ने फर्जी दस्तावेज पर ऑन लाइन फर्म का पंजीकरण कराने के बाद 19.5 करोड़ की आईटीसी हासिल करने और सरकार को चूना लगाने का प्रयास किया। इस मामले में राज्यकर सहायक आयुक्त और उपायुक्त ने कृष्णानगर में एक और तालकटोरा छह मामले दर्ज कराये। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य कर विभाग की जांच में फर्जी जीएसटी पंजीकरण और 19.5 करोड़ से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) हड़पने का मामला सामने आया है। गोपनीय जांच में, मेसर्स जीएस एंटरप्राइजेज, राम एंटरप्राइज, आरके एंटरप्राइजेज, संतोष ट्रेडिंग, विजय एंटरप्राइज और शिंदे एंटरप्राइज समेत सभी छह फर्में अपने घोषित व्यापार स्थलों पर अस्तित्वहीन पाई गईं। जांच में सामने आया कि इनके जीएसटी पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए गए पते, लीज एग्रीमेंट और बिजली के बिल जैसे दस्तावेज़ जाली और कूटरचित थे। इन फर्जी फर्मों ने बिना किसी वास्तविक खरीद-बिक्री के, केवल कागजी लेन-देन दिखाकर करोड़ों रुपये का अवैध आईटीसी दूसरी फर्मों को पास-ऑन किया। सबसे बड़ी राशि मेसर्स जीएस एंटरप्राइजेज द्वारा पास-ऑन की गई, जो 9.54 करोड़ है। इसके अलावा, मेसर्स विजय एंटरप्राइज पर 3.16 करोड़ और मेसर्स शिंदे एंटरप्राइज पर 2.49 करोड़, संतोष ट्रेडिंग ने 1.77 करोड़ के अवैध आईटीसी क्लेम का आरोप है। इस मामले में उपायुक्त प्रकाश चन्द्र चौरसिया और सहायक आयुक्त शिवेन्द्र जायसवाल व डॉ. संजय सिंह ने फर्म मालिकों गुरमीत सिंह, विश्वजीत धर्मेंद्र सोनवणे, रमन कुमार, संतोष रमेश कुवरिया, अभिषेक विजय नरोटे और अनिल तुकाराम शिंदे के खिलाफ कृष्णानगर और तालकटोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

कथा में समुद्र मंथन का सुनाया प्रसंग

अमृत विचार, हरदोई : कस्बे के प्राचीन एवं ऐतिहासिक बाबा कमलेश्वर नाथ महादेव मंदिर सतमठिया में चल रहे रुद्र महायज्ञ महोत्सव के 46वें वर्ष का आयोजन भक्ति और आस्था के बीच जारी है। महोत्सव के पांचवें दिन भगवताचार्य बालकृष्ण शुक्ल जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान का अमृतपान कराया। आचार्य ने अत्यंत मार्मिक ढंग से समुद्र मंथन प्रसंग का वर्णन किया। बताया कि जब देवता और दैत्य, अमृत प्राप्ति के लिए एक साथ हुए तो भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर देवताओं को अमृतपान कराया और दैत्यों को वंचित रखा। यह कथा जीवन में सद्भाव, धैर्य और परिश्रम बनाए रखने के महत्व का संदेश देती है।

जंगली सुअर के हमले से सभासद की पत्नी घायल

अमृत विचार, हरदोई : कस्बे में जंगली सुअर के हमले से सभासद की पत्नी घायल हो गईं। घायल का उपचार प्राइवेट अस्पताल में कराया जा रहा है। मिर्जापुर काजीटोला निवासी दिलीप सभासद की 55 वर्षीय पत्नी आशा जो शाम 4 बजे हीरो एजेंसी के पीछे थे, तभी अचानक एक जंगली सुअर ने उन पर हमला कर दिया। जिसमें घायल हो गईं। सभासद दिलीप ने बताया कि इससे पूर्व भी जंगली सुअर ने कई लोगों पर हमला किया है। वन विभाग जंगली सुअर के हमले से अंजान बना हुआ है।

मन्नत मांगकर जलाये गौसे पाक के चिरागे

अमृत विचार, हरदोई : क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे। 34वें वार्षिक उर्स व मेले में रात गौस पाक का चरागा और वंही दूसरी तरफ चोकरा का आयोजन किया गया। जिसमें दस दिवसीय झाड़ी शाह उर्स मेले के अध्यक्ष व उनके परिवार के द्वारा उनके आवास से उठाया गया और दरगाह शरीफ पर पेश किया गया। दरगाह हजरत रब्बानी शाह कादरी और झाड़ी शाह बाबा की मजार पर सभी ने गौसपाक का चिरागा जलाते हुए अपनी मुरादे मांगी और अमन शांति की दुआ की। सज्जादा नशीन हारून इदरीशी ने कव्वाली सुनी ।

महिला की बाइक से गिरकर मौत

अमृत विचार, हरदोई : पत्नी और उसका पति शनिदेव का दर्शन करने जा रहे थे। उसी बीच अचानक से किशोरी सामने आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में बाइक बेकाबू हो गई और पीछे बैठी पत्नी नीचे गिर पड़ी। उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मझिला थाने के सलेमपुर निवासी अमित कुमार सिंह शनिवार को अपनी पत्नी नीलम सिंह (45) के साथ बाइक से शनिदेव के दर्शन करने जा रहे थे। रास्तें में कुम्हरआ मोड़ पर पहुंचते ही सामने अचानक एक किशोरी आ गई,उसे बचावें में अमित की बाइक बहक गई और पीछे बैठी उसकी पत्नी नीलम सिंह नीचे गिर पड़ी,जिससे उसके सिर में चोंट पहुंची, उसे सीएचसी शाहाबाद पहुंचाया गया,जहां उसकी मौत हो गई।

सांड़ के हमले से घायल किसान की मौत

अमृत विचार, हरदोई : थाना क्षेत्र के महितापुर गांव में खेत को जा रहे किसान पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किसान की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। हरपालपुर थाना क्षेत्र के महितापुर गांव निवासी लगभग सर्वाधार पांडेय (68) शुक्रवार की सुबह अपनी खेत की ओर जा रहे थे। तभी एक सांड़ ने उन पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी हरपालपुर ले गए जहां पर डॉक्टर ने उनकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। बेहतर इलाज के लिए परिजन उनको लखनऊ ट्रामा सेंटर ले गए जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

मांगों को लेकर प्रदेशभर में आशा वर्कर्स ने की हड़ताल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन (संबद्ध–ऐक्टू) के प्रदेश बंद के आह्वान का राज्यभर में व्यापक असर रहा। लखनऊ, हाथरस, अलीगढ़, बदायूं, मुरादाबाद, बरेली, ललितपुर, कानपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, सोनभद्र, गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में हड़ताल पूर्ण रूप से सफल रही। जगह-जगह आशा कर्मियों ने बैनर-प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया, सभाएं कीं और जुलूस निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

राज्य प्रचार सचिव सीमा देवी ने कहा कि दशकों से सरकार आशा कर्मियों की समस्याओं पर मौन है। चार माह की प्रोत्साहन राशि और अन्य पारिश्रमिक बकाया हैं, जबकि 1.5 लाख करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि गायब होने का आरोप है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी के तहत 225.2 करोड़ रुपये की अदायगी भी लंबित है। सीमा देवी ने कहा कि न तो न्यूनतम वेतन, ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी दी जा रही है और न ही जीवन बीमा का लाभ मिला है। चेतावनी दी कि यदि सरकार शीघ्र त्रिपक्षीय वार्ता नहीं बुलाती तो आशा कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को विवश होंगी।

मॉर्निंग वाक पर निकले होमगार्ड को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

अमृत विचार, उन्नाव : थानाक्षेत्र के शरीफाबाद गांव निवासी बुद्धिपाल पुत्र बाबू होमगार्ड था और वह अपने मामा के गांव कटरा तरौना में रहकर वहीं से सचिवालय लखनऊ में ड्यूटी करता था। शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था तभी लखनऊ-संडीला मार्ग पर जालामऊ गांव के सामने अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इसमें वह रोड पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिलकर झूमो नाचो, आया जन्मदिन बाबा का

संवाददाता, हरदोई/माधौगंज

श्री खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- भक्तों ने धूमधाम से मनाया बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव

अमृत विचार : कार्तिक एकादशी तिथि बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर स्थानीय श्री खाटू श्याम मंदिर में विशेष आयोजन व पूजन अर्चन कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाबा श्याम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्याम भक्तों की लंबी लाइने सुबह से लग गई जो पूरे दिन से लेकर देर रात्रि तक चलती रही। बाबा श्याम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कोई बाबा श्याम के लिए केक लेकर आ रहा था। कोई छप्पन भोग कोई इत्र की बौछार कर रहा था। इस अवसर पर श्याम प्रेमी गौरव अग्रवाल व संगीतकार संकेत तिवारी ने निर्मित हरदोई बाबा श्याम मंदिर के भजन का लोकार्पण किया।

इसके अलावा माधौगंज कस्बे में खाटू श्याम के जन्मदिन पर भण्डारे का आयोजन किया गया। कस्बे में स्थित कटरा-बिल्हौर हाईवे पर एक हास्पिटल के डायरेक्टर प्रभात सिंह शिवा ने भगवान खाटू श्याम के जन्मदिन पर विशाल भण्डारे का आयोजन किया। डा. रोहित पाल, डा रवि यादव, सुधीर कुमार गुरु सहित भक्तों ने खाटूश्याम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित के साथ हलुआ का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया।

250 करोड़ की 12 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को मिलेगी मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभाग की बैठक में 17 प्रस्तावों पर मुहर
- अंतिम मंजूरी के लिए एंपावर्ड समिति को भेजे जाएंगे प्रस्ताव

अमृत विचार : प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 250 करोड़ रुपये की 12 नई परियोजनाओं को स्वीकृति देने की तैयारी कर ली है। इन परियोजनाओं को उप्र खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत परीक्षण के बाद अप्रेजल समिति से हरी झंडी मिल चुकी है। अब इन्हें अंतिम मंजूरी के लिए राज्य स्तरीय एंपावर्ड समिति (एसएलईसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

शनिवार को अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीना की अध्यक्षता में आईआईए सभागार में आयोजित बैठक में 17 प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण हुआ। इनमें से 12 प्रस्ताव नीति के मानकों के अनुरूप पाए गए। स्वीकृत परियोजनाओं में व्यक्तिगत त्वरित फ्रीजिंग की चार इकाइयां, बेकरी की दो, तथा लॉलीपॉप-कैंडी, फिश फीड, ग्राउंडनट बॉयल, आइसक्रीम, रेडी-टू-ईट और टोमैटो कैचअप की एक-एक इकाई शामिल है।

बैठक में जौनपुर के निवेशक हर्षवर्धन सिंह (एचवीआर फूड्स) को मसाला उत्पादन की आधुनिक इकाई शुरू करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। बताया गया कि नीति लागू होने के बाद अब तक 10 हजार करोड़ रुपये के 416 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें से 70 परियोजनाएं उत्पादन शुरू कर चुकी हैं, जबकि अगले छह माह में 100 और परियोजनाएं क्रियाशील हो जाएंगी।

विकसित यूपी के लिए 71.19 लाख सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के तहत चल रहे "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 : समृद्धि का शताब्दी पथ महाभियान" में अब तक प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने व्यापक जनसंवाद किया है। अभियान के दौरान छात्रों, शिक्षकों, उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से राज्य की विकास यात्रा पर संवाद कर फीडबैक लिया गया। अब तक पोर्टल samarth uttarpradesh.up.gov.in पर 71.19 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 56.48 लाख ग्रामीण क्षेत्रों से और 14.71 लाख नगरीय क्षेत्रों से आए हैं।

कांग्रेस ने किसानों के लिए मांगा 50-50 लाख मुआवजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश अध्यक्ष ने बारिश से नुकसान पर मुख्यमंत्री से त्वरित राहत की मांग की

अमृत विचार : मोंथा चक्रवात के कारण पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश से धान, आलू, तिलहन और हरी सब्जियों की फसलें खेतों में ही बर्बाद हो गई हैं। किसानों की तबाही पर चिंता जताते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर तत्काल राहत और मुआवजे की मांग की है।

अजय राय ने कहा कि फसलें पूरी तरह नष्ट हो जाने से कई किसान गहरे आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने बताया कि महोबा में किसान छोटेलाल अपनी तबाह फसल देखकर सदमे में चल बसे, जबकि झांसी के किसान कमलेश यादव ने हताशा में आत्महत्या कर ली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी सरकार से मांग करती है कि कृषि विभाग की टीमें तुरंत फसलों का सर्वे करें और नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। प्रभावित किसानों को तत्काल राहत राशि प्रदान की जाए। साथ ही स्वर्गीय छोटेलाल और कमलेश यादव के परिजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए।

पूर्व डीजीपी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के पूर्व डीजीपी सीके मलिक का निधन 85 वर्ष की आयु में गुरुवार को हो गया। निधन की सूचना पर पुलिस विभाग के उच्चाधिकारी व शुभचिंतक उनके आवास पर पहुंचे। शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। शनिवार दोपहर 12 बजे गोमतीनदी के किनारे बैकुंठ धाम में राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। जहां परिजन तथा गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय सी के मलिक कर्मठ पुलिस अधिकारी थे। उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस सेवा के सर्वोच्च पुरस्कार सहित सरकार द्वारा विभिन्न अवसरों पर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

बंद मकान में पड़ा मिला सेवानिवृत्त बुजुर्ग का शव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: तालकटोरा के राजाजीपुरम सपना कालोनी सी ब्लाक में एक मकान के अंदर से शनिवार शाम बुजुर्ग का शव पड़ा मिला। आसपास के लोगों ने दुर्गंध आने के कारण बुजुर्ग के रिश्तेदार व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान खुलवाकर अंदर गए तो देखा बुजुर्ग का शव कमरे में बेड पर पड़ा मिला।

राजाजीपुरम सपना कालोनी निवासी मानिक बनर्जी (70) ब्वायज एग्लो वैदिक इण्टर कालेज से लिपिक के पद से सेवानिवृत्त थे। बीते रविवार को पड़ोसियों ने मानिक बनर्जी को घर से बाहर देखा था। शनिवार को कमरे से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने मामले जानकारी मृतक के भतीजे राजाजीपुरम पुराना सी ब्लाक निवासी आशीष बनर्जी को दी। आशीष बनर्जी मौके पर पहुँचे और दुर्गन्ध आने पर तालकटोरा पुलिस व अपनी चाची व चचेरी बहन रंजना व अंजना को दी। भतीजा आशीष ने बताया कि चाची उमा बनर्जी अर्थराइटिस की मरीज थी। चलने में असमर्थ थी। जिस पर वह अपनी बेटियों के साथ रहती थी। बड़ी बेटी अंजना अहमदाबाद व छोटी बेटी रंजना फरीदाबाद में रहती थी। मौजूदा समय में चाची उमा रंजना के पास थी। तालकटोरा इंस्पेक्टर कुलदीप दुबे के मुताबिक मानिक बनर्जी मकान में अकेले रहते थे। शव चार पांच दिन पुराना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता लगेगा।

युवक ने कमरे में फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : पेशेवर ड्राइवर ने चार बेटे होने के बाद दूसरी शादी की। बच्चों के साथ लुधियाना में रह रहीं दोनों पत्नियों से चल रहे तनाव के चलते युवक गांव में रहने लगा। जहां उसने आधी रात कमरा बंदकर फंदा लगा लिया। पुलिस ने दरवाज़ा तोड़कर शव बाहर निकाला। कोतवाली देहात के टुहरुपुरवा निवासी मुकेश (45) कार चलाता था। उसकी पहली पत्नी गीता से चार बेटे हैं, उसके बाद मुकेश ने सुनीता से दूसरी शादी की, सुनीता के एक बेटा है। उसके बड़े भाई संतराम ने बताया कि शुक्रवार की रात मुकेश ने कमरा बंद कर आत्महत्या कर ली। शनिवार की भोर पहर मां जगदेई की आंख खुली तो कमरे में मुकेश का शव लटक रहा था। इसका पता होने पर वहां पहुंची पुलिस ने दरवाज़ा तोड़ कर शव बाहर निकलवाया।

बाइक से गिरी महिला को कंटेनर ने कुचला, मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : नवीन गल्ला मण्डी साण्डी की आढ़तिया अपने पति व बेटे के साथ खाटू श्याम मंदिर के कार्तिक एकादशी कार्यक्रम से वापस लौट रही थी,उसी बीच शहर के अटल चौक पुलिस बूथ के पास अचानक सड़क पर गिर पड़ी,उसी बीच तेज़ रफ्तार कंटेनर उसके ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे का शोर होने पर भीड़ ने कंटेनर और उसके ड्राइवर को पकड़ लिया। इस बीच वहां सड़क पर जाम लग गया,जिसे पुलिस ने हटाया। साण्डी कस्बे के मोहल्ला नवाबगंज निवासी रामजी गुप्ता की 45 वर्षीय पत्नी पिंकी गुप्ता उर्फ निधि के नाम से नवीन गल्ला मण्डी साण्डी में आढ़त है। शनिवार को पिंकी गुप्ता, पति रामजी व बेटे उत्कर्ष के साथ खाटू श्याम मंदिर में आयोजित हुए कार्तिक एकादशी कार्यक्रम में शामिल होने आई हुई थी। देर शाम को वापस लौट रही थी। बताते है कि घंटाघर रोड से अटल चौक पुलिस बूथ के पास पहुंचते ही बाइक पर बैठी पिंकी गुप्ता अचानक गिर पड़ी, उसी बीच पीछे से आ रहा कंटेनर उसके ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे का शोर होने पर भीड़ दौड़ पड़ी और कुछ ही दूर पर कंटेनर व उसके ड्राइवर को पकड़ लिया। देखते ही देखते अटल चौक पर जाम लग गया,जिसे पुलिस ने हटवाया। पिंकी गुप्ता उर्फ निधि के एक बेटा उत्कर्ष और एक बेटी अनन्या है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

सर्राफ के घर में दिनदहाड़े लाखों के जेवरात चोरी

संवाददाता, उन्नाव

- संदिग्ध सीसीटीवी में कैद, पुलिस कर रही तलाश

अमृत विचार : कस्बा में शुक्रवार सुबह सर्राफा व्यवसायी के घर घुसे चोरों ने अलमारी का ताला खोलकर लाखों के जेवरात पार कर दिये। मंदिर से वापस लौटने पर पीड़ित को घटना की जानकारी हुई। एक संदिग्ध सीसीटीवी में कैद हो गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

कस्बा के राहतगंज बाजार मोहल्ला निवासी गौरव गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता राजेंद्र गुप्ता का सर्राफा का पैतृक व्यवसाय है। माता-पिता और उसका परिवार दूसरी व तीसरी मंजिल पर रहता है। जबकि घर के नीचे ही दुकान है। रोज की तरह वह शुक्रवार सुबह मोटेश्वर मंदिर पूजन करने गया था। घर के अन्य सदस्य तीसरी मंजिल पर दैनिक कार्य में व्यस्त थे। तभी चोरों ने पहली मंजिल पर पहुंचकर पहले तीसरी मंजिल का दरवाजा बंद किया फिर वहां रखी चाभी से अलमारी खोलकर सोने-चांदी के लाखों के जेवरात पार कर ले गए। मंदिर से जब वह घर लौटा तो अलमारी से सामान गायब देख चोरी की जानकारी हुई। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। अलमारी से सोने की ज्वैलरी का डिब्बा मिला है। आरोपी सीसीटीवी में कैद हुआ है। जिसकी तलाश की जा रही है।

दावा

भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री रामआसरे कुशवाहा ने कहा

बिहार में फिर से बनेगी एनडीए की ही सरकार

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

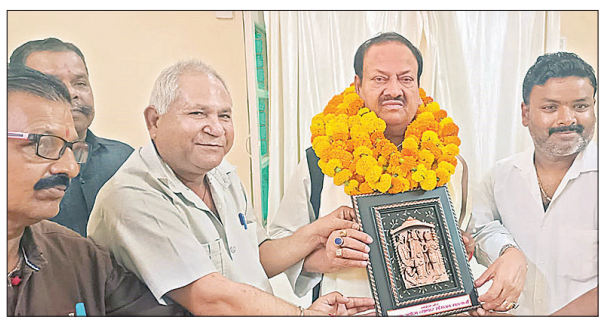

पूर्व मंत्री रामआसरे को स्मृति चिन्ह भेंट करते समर्थक। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा के वरिष्ट नेता पूर्व मंत्री रामआसरे कुशवाहा ने बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार पुनः बनने का दावा किया। प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से जनता खुश है। प्रदेश में योगी , देश में मोदी को जनता पसंद कर रही है।

शनिवार को प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री रामआसरे सिंह कुशवाहा ने डाक बंगले में पत्रकारों से बातचीत में कही। वह हरदोई में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। कहा कि मैं बिहार के दौरे पर दस दिन रहा हूं। वहां भाजपा गठबंधन की सरकार बन रही है। वहां की जनता ने पूर्व सरकार का शासन देखा है। जिसको जंगलराज की संज्ञा लोग देते हैं। नीतीश कुमार का शासन में विकास की गंगा बही है। इसलिए पुनः जीत पक्की है। एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में भय भ्रष्टाचार का योगी सरकार ने खात्मा करने का कार्य किया है। प्रदेश में कानून का राज है, माफियाराज खत्म हो गया है। लोगों को रोजगार मिल रहा है। इस मौके पर गिरीश चंद्र कुशवाहा, राहुल गुप्ता, महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अवधेश कुशवाहा, अंकित, अजय कुमार राठौर मौजूद रहे। व्यापारी नेता राहुल गुप्ता ने साल व श्री राम भगवान का चित्र भेंट किया।

सफीपुर सीएचसी में जलाई गई दवाएं व सिरप

संवाददाता, उन्नाव

जली हुई दवाएं दिखाते टीम के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सफीपुर सीएचसी परिसर में शनिवार को बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया। यहां करीब 10 गत्ते एक्सपायरी दवाएं व सिरप जला दिये गए। इसमें वो दवाएं भी शामिल थीं जिनकी एक्सपायरी डेट वर्ष-2026 थी। सीएचसी अधीक्षक ने जांच कराने की बात कही है। वहीं इसकी जानकारी पर सीएमओ के निर्देश पर भी एक टीम सीएचसी भेजी गई।

शनिवार सुबह सीएचसी परिसर से धुआं उठता देख आग लगने की आशंका में लोग पहुंचे तो भारी मात्रा में सिरप, इंजेक्शन व गोलियों के पत्ते जलते दिखे। इसमें विटामिन-डी की दवाएं (एक्सपायरी जुलाई-2026), महिलाओं के उपयोग में आने वाली टेबलेट्स, परिवार नियोजन से जुड़ी सामग्री, बच्चों के बुखार व लीवर संबंधी सिरप, यहां तक अल्प्राजोलम जैसी नियंत्रित दवाएं भी शामिल थीं। बता दें कि सीएचसी के अंतर्गत 3 पीएचसी भी हैं। यहां रोजाना करीब 300 मरीजों की ओपीडी होती है। जिसके अनुसार मुख्यालय के डिपो से दवा की आपूर्ति होती है। प्राथमिक जांच में संभावना जताई गई कि जली हुई दवाओं में विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों में प्रयोग होने वाली दवाएं भी शामिल हो सकती हैं। देरशाम सीएमओ के निर्देश पर पहुंची टीम ने अधजली दवाओं को पॉलिथीन बैग में भरकर जांच के लिए ले जाने की बात बताई और निकल गई। सीएचसी अधीक्षक आरके वर्मा ने बताया कि पीछे कूड़े का ढेर लगा था। उसमें दवाएं कैसे पहुंची इसकी जांच कराई जाएगी।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 2 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

बच्चों में बढ़ता जा रहा
सिक्स पॉकेट सिंड्रोम

भारत और दुनिया के बदलते समाज में बच्चों की परवरिश, शिक्षा और मनोवैज्ञानिक व्यवहारों पर, जो नए शब्द और विचार उभर रहे हैं, उनमें "जनरेशन अल्फा" और "सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम" दो शब्द ऐसे हैं, जो अब संवाद, नीतियों और परिवारों की चिंताओं का केंद्र बनते जा रहे हैं। जनरेशन अल्फा वे बच्चे हैं, जो लगभग 2010 के बाद जन्मे हैं। वे पूरी तरह से डिजिटल-इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट डिवाइस और इंटरनेट उन्मुख माहौल में पले-बढ़े हैं। इस पीढ़ी में जन्मजात डिजिटल सहजता है। टेक उपकरणों का प्रयोग और उनसे सीखना इस पीढ़ी के लिए स्वाभाविक है। वे त्वरित मान्यता और त्वरित फीडबैक की चाह भी रखते हैं। सोशल मीडिया, गेम रिवार्ड और ऑनलाइन रिएक्शन ने त्वरित मान्यता की अपेक्षा बढ़ा दी है। मल्टीमीडिया उनकी उंगलियों का खेल है। वे विजुअल, वीडियो और इंटरेक्टिव माध्यमों से सीखने को प्राथमिकता देते हैं। उनके इस आचार-व्यवहार पर वैश्विक संपर्क और बहुसांस्कृतिक छाप भी खूब पड़ी है।

ऑनलाइन कंटेंट के कारण उनके अनुभवों में वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव मिश्रित हो जाता है। यह पीढ़ी तकनीक-संवर्धित, कनेक्टेड और तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में पली-बढ़ी नई पीढ़ी है। इस पीढ़ी की कई सांस्कृतिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताएं हैं, जो इन्हें पिछली पीढ़ियों से अलग बनाती हैं। आज वे पूर्व की तुलना में शीघ्र जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, उनके लिए विजुअल और इंटरैक्टिव माध्यम सहज-सुलभ हैं, वे संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं में मल्टीटास्किंग और तेज निर्णय लेने की प्रवृत्ति रखते हैं। जनरेशन अल्फा के लिए जीवन की परिभाषा, उनकी सोच और सामाजिक व्यवहार की गूंज आज हर मंच पर सुनाई दे रही है। जब यह चर्चाएं लोकप्रिय टीवी कार्यक्रमों और सार्वजनिक मंचों पर दिखती है, तो उनके प्रभाव और संकेत और भी प्रत्यक्ष हो जाते हैं। केबीसी जूनियर में आए एक बाल प्रतिभागी ने कठिन सवालों का जवाब जिस सरलता से दिया, उसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया। जब अमिताभ बच्चन ने पूछा, "इतना ज्ञान कहां से आता है?", तो बच्चे ने मुस्कराकर कहा, "मैं बस दुनिया को समझने की कोशिश करता हूं, सर।" यह उत्तर केवल एक वाक्य नहीं था, बल्कि इस पीढ़ी के सोचने के ढंग की परिभाषा था कि वे रटने नहीं, समझने में विश्वास रखते हैं। परंतु इस एपिसोड में डायलॉग और व्यवहार के कुछ पल, जिनमें होस्ट अमिताभ बच्चन और युवा प्रतिभागी के बीच का संवाद शामिल था, ने जनरेशन अल्फा के व्यवहार, पहचान और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी अवधारणाओं पर एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य दिया।

डॉ. मीता गुप्ता
शिक्षाविद,साहित्यकार

आखिर क्या है सिक्स पॉकेट सिंड्रोम

यह शब्द चीन में एक-बच्चा नीति के दौर में उभरा। परिवारों के आकार में कमी के साथ, हर बच्चे के पास प्रभावी रूप से छह वयस्क, दो माता-पिता और चार दादा-दादी/ नाना-नानी होते थे, जो अपने भावनात्मक और आर्थिक संसाधन उस एक बच्चे पर केंद्रित करते थे। छह पॉकेट यानी छह लोग, सब एक छोटे के जीवन को संभालने वाले। यह शब्द हाल के वर्षों में मीडिया और सामाजिक विमर्श में उभरा है, विशेषकर परिवार-आधारित पोषण और संतान-नीति के संदर्भ में। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का प्रयोग तब किया जाता है, जब कोई बच्चा या किशोर बाहरी संकेतों, पारिवारिक संरचना या सामाजिक संदर्भों के कारण ओवरकॉन्फिडेंट हो जाता है और उसकी वास्तविक क्षमताओं व सामाजिक विनयों के बीच असंतुलन दिखता है। जनरेशन अल्फा अक्सर आत्मकेंद्रित नहीं होती, परंतु उनकी अपेक्षाएं और सामाजिक अपेक्षाएं अधिक वैयक्तिकृत होती जा रही हैं। ऑनलाइन सामाजिकीकरण ने मित्रता और पहचान के रूप बदल दिए हैं। इन प्रवृत्तियों का सकारात्मक पहलू व्यापक परिप्रेक्ष्य और सहमतिशीलता है, साथ ही नकारात्मक यह कि सहनशीलता, धैर्य और सामाजिक कौशल कमजोर होते जा रहे हैं।

जनरेशन अल्फा और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का संयोजन चिंताजनक

जनरेशन अल्फा और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का संयोजन विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि डिजिटल जीवन जल्दी मान्यता और उपलब्धता देता है, बच्चे तुरंत प्रशंसा, लाइक और रिवॉर्ड अनुभव कर लेते हैं। पारिवारिक संसाधन (टाइम, पैसा) सिक्स पॉकेट सिंड्रोम संस्कृति के चलते अक्सर बच्चे की उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है। शिक्षा और करियर की तेजी से बदलती गतिशीलता में वास्तविक चुनौतियां और असफलताएं, बच्चों के आत्म-आकलन पर गहरा प्रभाव डालती हैं और अक्सर वे आत्म-आकलन में असफल रहते हैं।

डिजिटल जीवन ने भावनात्मक अनुभवों को भी बदला

शिक्षा अब केवल कक्षा और पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं। जनरेशन अल्फा के लिए शिक्षा गेमिफाइड लर्निंग, ऑनलाइन कोर्स और माइक्रो-लर्निंग, स्वयं-निर्देशित और परियोजना-आधारित शिक्षण प्रभावी साबित हो रहा है। इसमें शिक्षक-विद्यार्थियों के आपसी संबंधों का महती प्रभाव रहता है तथा वह एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। आज शिक्षा नीतियों को तकनीक, नैतिकता और मनोविकास के संतुलन पर ध्यान देकर पुनः परिभाषित करना होगा। डिजिटल जीवन ने भावनात्मक अनुभवों को भी बदला है। बेहतर कनेक्टिविटी के बावजूद अकेलापन, तुलना-आधारित असंतोष और बेचैनी बढ़ी है। इसलिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई क्यू) के प्रशिक्षण पर जोर जरूरी है। माता-पिता और शिक्षकों को सहानुभूतिपूर्ण से अधिक समानुभूतिपूर्ण संवाद व सक्रिय सुनने की कला में प्रशिक्षित करना चाहिए। पारिवारिक संरचना और पालन-पोषण शैली में परिवर्तन भी आवश्यक है। माता-पिता की अतिरिक्षिता (ओवर प्रोटेक्शन) और अति प्रशंसा बच्चों में असंतुलित आत्म-मूल्य का विकास कर रहे हैं। नीतिगत और सामाजिक प्रासंगिकताओं में छोटे परिवार, एकल संतान और माता-पिता की केंद्रित आशाएं बच्चों पर दबाव डालती हैं। आर्थिक-आसक्ति और भौतिक सहूलियतों ने तो इनका दिमाग ही घुमा दिया है। भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता और कठिनाइयों का अभाव जीवन-क्षमता और संघर्ष-संशोधन कौशल को प्रभावित कर रहा है। परीक्षा-केंद्रित संस्कृति में जनरेशन अल्फा बच्चे या तो अतिआत्मविश्वासी बन सकते हैं (यदि बार-बार पुरस्कार मिलते हैं) या असुरक्षित, दोनों ही स्थिति सामाजिक समायोजन में मुश्किलें ला सकती हैं। इसकी वजह से इन बच्चों में एक तरह का सुपीरियरिटी कॉम्प्लेक्स आने लगता है। जब बच्चों को बहुत ज्यादा पॉकेट मनी, गिफ्ट्स या गैजेट्स मिलते हैं, तो भी यह स्थिति हो सकती है। यानी जनरेशन अल्फा बच्चे की हर जिद्द पूरी करने पर वह इस सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अपने सामने दूसरों को बिल्कुल अहमियत नहीं देते हैं। इनमें से कई कारण संयुक्त रूप से कार्य करते हैं और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम को जन्म देते हैं। सामाजिक विमर्श में इस अवधारणा का उठना संकेत देता है कि केवल आर्थिक या शैक्षिक सफलता पर्याप्त नहीं है, बल्कि शालीनता, धैर्य, सहनशीलता और सामाजिक बुद्धिमत्ता को समान प्राथमिकता देनी होगी।

सिंड्रोम का बच्चों पर प्रभाव

सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम वाले बच्चों के लक्षणों के दीर्घकालिक परिणाम सामान्यतः सामाजिक व्यवहार, कार्यस्थल-अक्षमता और व्यक्तिगत रिश्तों पर पड़ते हैं। यदि समय रहते हस्तक्षेप न किया जाए, तो आत्म-चित्र और व्यावहारिक कौशलों के बीच बड़ा अंतर बन सकता है, जो किशोरावस्था और वयस्कता में चुनौतियां पैदा कर सकता है। यह संयोजन तब और भी जोखिमपूर्ण बन जाता है, जब बच्चे को जीवन की कठिनाइयों के सीमित अनुभव ही मिले हों और समस्याओं का सामना करने के आवश्यक कौशल विकसित न हुआ हो, क्योंकि हम ओवर प्रोटेक्टिव होते हैं। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी समस्याओं का समाधान केवल मनोवैज्ञानिक सत्र या माता-पिता के निर्देशन तक सीमित नहीं हो सकता, इसे बहुस्तरीय प्रयासों द्वारा संभाला जाना चाहिए, जैसे परिवार और पालन-पोषण में बदलाव करके बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय लेने दें, ताकि वे अपनी गलतियों से सीख सकें, उसकी सकारात्मक परंतु वास्तविक प्रशंसा करें, यह याद रखें कि परिणाम से अधिक प्रयास महत्वपूर्ण होता है, इसलिए प्रयास की सराहना करें, न कि केवल परिणाम की, संतुलित फीडबैक दें, उन्हें छोटी-छोटी जिम्मेदारियां सौंपें, जैसे घरेलू कार्य, समय-सीमा और टीम-गतिविधियां बच्चे में सहकार्य और धैर्य सिखाती हैं।

क्या है समाधान

इस संदर्भ में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार अति आवश्यक है। कौशल-आधारित शिक्षण बच्चे की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को प्राथमिकता देती है, जिससे बच्चे का व्यक्तित्व एक संतुलित और समाजोपयोगी व्यक्तित्व बनता है। सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (सोशल इमोशनल लर्निंग) को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे बच्चा असफलता को सहर्ष अंगीकार करना सीखता है। पालन-पोषण मार्गदर्शन (पेरेंटिंग काउंसलिंग) कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिसमें नव-पालकों के लिए कार्यशालाएं और समुदाय आधारित समर्थन समूह शामिल हों। साथ ही डिजिटल साक्षरता और साइबर-हेल्थ कार्यक्रम चलाए जाएं, जिनमें स्क्रीन-टाइम, ऑनलाइन व्यवहार और डिजिटल पहचान की समझ बढ़ाए जाने पर जोर दिया जाए। हां, यदि मनोवैज्ञानिक और चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है, तो लेने से न हिचकें। बात केवल माता-पिता और शिक्षकों तक ही सीमित नहीं, समाज के लिए भी कुछ व्यावहारिक टिप्स होने चाहिए जैसे, जनरेशन अल्फा बच्चों के लिए सीमाएं सेट करें और कारण समझाएं, उन्हें "क्यों" का महत्व समझाते हुए बताएं कि नियमों की क्या उपयोगिता होती है, असफलता पर चर्चा का माहौल बनाएं, अपने अनुभव साझा करें और दिखाएं कि असफलता से कैसे स्वयं को सुधारा जा सकता है और इट्स ओके टू फेल

समटाइम्स, ऐसा कोई आसमान नहीं गिर पड़ेगा, अगर एक बार असफलता का सामना करना भी पड़ता है। बच्चों को समझाएं कि सभी लोग एक जैसे नहीं होते हैं, सभी की कुछ ताकत और कुछ कमजोरियां होती हैं। बच्चे माता-पिता और समाज के व्यवहार से सीखते हैं, इसे समझते हुए बड़े अपनी प्रतिक्रियाएं नियंत्रित रखें, जहां तक संभव हो, टीम गतिविधियों की ओर ध्यान दें, खेल, समूह-परियोजनाएं और सामुदायिक सेवा बच्चे में सहयोग व सहानुभूति विकसित करती है और सबसे जरूरी, तकनीक का नियंत्रित प्रयोग हो, इसके लिए गुणवत्ता-आधारित गतिविधियां चुनें, न कि मात्र स्क्रीन-समय की माप पर जोर दें। अगर आप पैसों को प्यार का विकल्प मानते हैं या उन्हें समय न दे पाने के गिल्ट को ढकने के लिए बच्चों को ज्यादा पॉकेट मनी देने में विश्वास रखते हैं, तो सावधान हो जाइए, ऐसा बिल्कुल न करें। इससे बच्चे जिद्दी बन सकते हैं। गलती हो जाने पर उन्हें माफी मांगना भी सिखाएं, बताएं कि गलतियां सबसे होती हैं, बताएं कि आपने भी गलतियां की हैं और उन गलतियों से बहुत कुछ सीखा है।

आप यह मानकर चलें कि पेरेंटिंग दुनिया का सबसे दुष्कर काम है और जनरेशन अल्फा की पेरेंटिंग तो सोने पर सुहागा। जनरेशन अल्फा बच्चे अपने भीतर ऊर्जा, आत्मविश्वास और डिजिटल कौशल लेकर आते हैं, परंतु उस ऊर्जा को दिशा देने और वास्तविकता के साथ जोड़ने की जिम्मेदारी माता-पिता, परिवार, शिक्षण संस्थान और व्यापक समाज की है। जब सार्वजनिक मंचों पर अमिताभ बच्चन जैसे अनुभवी व्यक्तित्व सहजता और शिष्टता से मार्गदर्शन करते हैं, तो वह न केवल एक शो का हिस्सा होता है, बल्कि एक सामाजिक पाठ भी होता है। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी अवधारणाएं हमें चेतावनी देती हैं कि अगर बच्चे सिर्फ प्रशंसा, सुविधा और त्वरित मान्यता में रह जाएं, तो उनके व्यवहार और व्यावहारिक क्षमता में असंतुलन आ सकता है। इसलिए शिक्षा और पालन-पोषण को तकनीकी कौशल के साथ-साथ मानवीय कौशल और व्यावहारिक परिपक्वता पर भी जोर देना होगा। जेनरेशन अल्फा तकनीकी रूप से अत्यधिक सक्षम है, लेकिन भावनात्मक रूप से अभी भी अपरिपक्व है। समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल होशियार बच्चों को तैयार करने की नहीं है, बल्कि ऐसे ज़िम्मेदार, सहानुभूतिपूर्ण और धरातल से जुड़े नागरिकों को गढ़ने की है, जो डिजिटल कौशल के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं साझा मूल्यों के प्रति सम्मान का संतुलन बनाए रखें। जेनरेशन अल्फा के बारे में नकारात्मक चर्चा करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है कि वह केवल और केवल 10-12 साल का बच्चा है और वह अपनी बौद्धिक क्षमता के कारण ही एक प्रतिष्ठित शो में भाग ले रहा है। इस प्रतिभागी की प्रतिक्रिया और बाद में की गई माफी या आत्म-प्रतिबिंब दिखाते हैं कि बच्चे सुधरने और सीखने की क्षमता रखते हैं, यदि सही समय पर उन्हें दिशा दिखाई जाए। यदि हम मंचों पर मिलने वाले उन छोटे-छोटे पलों से सीख लें, जैसे कि सार्वजनिक गलती पर शिष्ट मानवीय प्रतिक्रिया, शांत स्वीकारोक्ति और सुधार का अवसर, तो जनरेशन अल्फा अपनी ऊर्जा और क्षमताओं को सकारात्मक दिशा में लगाने में सफल होगी और भविष्य में समाज को एक नई दिशा देने में सक्षम होगी।

सिंड्रोम का सामाजिक खतरा

सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम एक परवरिश संबंधी विकृति है, जिसमें बच्चे को छह वयस्कों (दादा-दादी, माता-पिता व नाना-नानी) से अत्यधिक लाड़-प्यार व ध्यान मिलता है, जिससे उनमें हकदारी की अत्यधिक भावना, अहंकार व निराशा को सहन न कर पाने जैसे लक्षण विकसित होते हैं। बच्चा परिवार का केंद्र बन जाता है। सभी वयस्क सदस्य बच्चे की हर मांग को पूरा करने की कोशिश करते हैं। चीन में 'लिटिल एम्परर सिंड्रोम' यानी 'छोटे सम्राट का सिंड्रोम' कहा जाता है। भारत में भी बढ़ती संपन्नता, छोटे परिवार का चलन व महत्वाकांक्षी पालन-पोषण ने ऐसी ही स्थितियां पैदा कर रहीं हैं। इस सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में मनोवैज्ञानिक लक्षण दिखाई पड़ते हैं, कम सहनशीलता होना, बच्चों में अस्वीकृति, इंकार या आलोचना को सहन नहीं कर पाना।

- पुरस्कार मांगने का व्यवहार- वे प्यार को भौतिक पुरस्कार से जोड़ते हैं और तत्काल संतोष की उम्मीद करते हैं, जिससे उनके व्यवहार में अजीब सा परिवर्तन देखने के मिलता है।
- भावनात्मक अपरिपक्वता- बच्चों में भावनात्मक अपरिपक्वता देखने को मिलती है, जिससे उनमें धैर्य रखने, सहानुभूति, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की क्षमता में कमी देखने को मिलती है।
- निर्भरता और संवेदनशीलता- ऐसे बच्चे असफलता और सहपाठियों के दबाव का सामना करने के दौरान स्वायत्तता एवं मानसिक दृढ़ता के साथ संघर्ष करता है।
- सिक्स पॉकेट सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अपनी इच्छाओं से वंचित होने पर गुस्सा, आक्रामकता और चिंता प्रदर्शित कर सकते हैं। उनमें अहंकारी व्यवहार विकसित होने लगता है, जो संबंधों में तनाव पैदा करता है। दीर्घकाल में उनकी आक्रामकता, नशीली दवाओं के उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ाने में कारक हो सकता है।

डॉ.मनोज कुमार तिवारी
वरिष्ठ परामर्शदाता, बीएचयू, वाराणसी

शुगर में अमृत समान
दस आयुर्वेदिक आहार

आज मधुमेह (डायबिटीज) यानी शुगर रोग दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बीमारियों में से एक है। इसकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक बार बढ़ने के बाद इसे पूरी तरह खत्म करना आसान नहीं होता, लेकिन नियंत्रित करना हमारे हाथ में है। इस रोग में शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता कम हो जाती है, जिससे रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। आयुर्वेद कहता है कि 'आहार ही औषधि है।' सही आयुर्वेदिक भोजन न सिर्फ शुगर लेवल को संतुलित रखता है, बल्कि शरीर की ऊर्जा, पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। आयुर्वेद कहता है कि 'मधुमेह कोई अजेय रोग नहीं, बल्कि असंतुलित जीवनशैली का परिणाम है।' यदि व्यक्ति सही आहार-विहार, नियमित योग और आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाए तो मधुमेह पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सकता है। आइए जानते हैं दस श्रेष्ठ आयुर्वेदिक आहार, जो मधुमेह रोगियों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं।

डायबिटिक रोगियों के लिए आयुर्वेदिक आहार नियम

- सुबह सूर्य उदय के बाद कम से कम 30 मिनट योग या प्राणायाम करें।
- तनाव से बचें, क्योंकि तनाव रक्त शर्करा बढ़ाता है।
- नियमित नींद लें और दिन में बार-बार भोजन करने से बचें।
- मीठे पेय, मैदा, तले भोजन, फास्ट फूड और कोल्ड ड्रिंक से परहेज करें।
- नियमित रूप से जल सेवन करें और शरीर को सक्रिय रखें।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय डोहरा रोड बरेली, मधुमेह रोगियों के लिए नियमित रूप से आयुर्वेदिक परामर्श, आहार-विहार मार्गदर्शन, योग चिकित्सा और औषधीय उपचार प्रदान करता है। यहां पर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा रोगी की प्रकृति और दोषानुसार विशेष उपचार योजना बनाई जाती है-

- योग एवं प्राणायाम प्रशिक्षण
- आहार परामर्श
- स्वर्णप्राशन एवं प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले उपचार

करेला - प्राकृतिक इंसुलिन

- करेला शुगर रोगियों के लिए सर्वोत्तम आहार माना गया है। इसमें चारंटिन नामक तत्व होता है, जो रक्त में शर्करा को नियंत्रित करता है। करेला जूस या सब्जी का सेवन करने से इंसुलिन की कार्यक्षमता बढ़ती है और ब्लड शुगर सामान्य रहता है। करेला को मधुमेह के लिए रामबाण कहा जाता है, जो इंसुलिन की क्रिया को प्राकृतिक रूप से सशक्त करते हैं।
- **सेवन विधि :** सुबह खाली पेट 30 एमएल करेला रस पीना अत्यंत लाभदायक है।
- **आयुर्वेदिक गुण :** तिक्त रस, कफ-पित्त नाशक और रक्तशोधक।

मेथी दाना- रक्त शर्करा नियंत्रक

- मेथी के बीजों में घुलनशील फाइबर और एमिनो एसिड होते हैं, जो शुगर को कम करने में मदद करते हैं। रात को पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका सेवन करना बेहद लाभकारी है। मेथी के दानों में पाया जाने वाला घुलनशील रेशा ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करता है।

- **सेवन विधि :** 1 चम्मच मेथीदाना रातभर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट सेवन करें।
- **आयुर्वेदिक दृष्टि :** यह अग्नि को प्रज्वलित करता है और कफ को कम करता है।

जामुन - प्राकृतिक एंटीडायबिटिक

- जामुन और इसके बीज दोनों मधुमेह के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। जामुन के बीज का चूर्ण ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है और बार-बार प्यास लगने या बार-बार पेशाब जाने की समस्या को भी कम करता है। जामुन के बीजों में जम्बोसिन और जम्बोलिन पाए जाते हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखते हैं।
- **सेवन विधि :** जामुन बीज चूर्ण (1 चम्मच) गुनगुने पानी के साथ सुबह-शाम लें।
- **गुण :** मूत्र मार्ग को शुद्ध करता है और अग्नि को संतुलित करता है।

गुड़मार पत्ती - शुगर नाशक औषधि

- आयुर्वेद में इसे "मधुनाशिनी" कहा गया है, जिसका अर्थ है बीनी को नष्ट करने वाली। गुड़मार की पत्तियां ब्लड शुगर लेवल को कम करती हैं और मीठा खाने की इच्छा भी घटाती हैं।

आंवला एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

- आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह अग्नाशय की कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है और इंसुलिन स्राव को संतुलित करता है। रोजाना आंवला रस या पाउडर का सेवन शुगर रोगियों के लिए उत्तम है।

अलसी के बीज - ओमेगा-3 से भरपूर

- अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। ये ब्लड शुगर स्पाइक को रोकते हैं और हृदय को भी स्वस्थ रखते हैं। डायबिटिक रोगियों के लिए अलसी का पाउडर पानी या दूध के साथ बेहद लाभकारी है।
- **सेवन विधि :** रोज 1 चम्मच अलसी पाउडर गुनगुने पानी में लें।
- **गुण :** वात-कफ नाशक और स्नायु बलवर्धक।

दालचीनी - स्वाद और स्वास्थ्य का संगम

दालचीनी ब्लड शुगर को कम करने और शरीर में इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने का काम करती है। रोजाना गुनगुने पानी या हर्बल चाय में दालचीनी डालकर लेने से शुगर नियंत्रित रहता है।

नीम की पत्तियां

- नीम पत्ती का रस या चूर्ण रक्त को शुद्ध करता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। नीम का सेवन प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और डायबिटीज से होने वाले संक्रमणों से बचाता है।

तुलसी

- तुलसी के पत्तों का सेवन इंसुलिन के कार्य को सुधारता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शुगर को नियंत्रित करने के साथ-साथ तनाव और थकान भी कम करते हैं।

जौ - श्रेष्ठ अनाज

जौ को आयुर्वेद में शुगर रोगियों के लिए सर्वोत्तम अनाज माना गया है, जो की रोटी या दलिया शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और ब्लड शुगर लेवल को स्थिर बनाए रखता है। आयुर्वेद में जौ को "मधुमेह के लिए श्रेष्ठ अन्न" कहा गया है।

- **सेवन विधि :** जौ का दलिया, रोटी या सत्तू नियमित आहार में शामिल करें।
- **लाभ :** यह शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालता है और पाचन को सुधारता है।

घी-तेल का अत्यधिक सेवन
स्वास्थ्य के लिए खतरा

भारत में निरंतर बढ़ते हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, लकवे (स्ट्रोक) और कैंसर के पीछे हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली है। ऐसी जीवनशैली, जिसमें सैर-व्यायाम की कमी, मेज-कुर्सी का आरामप्रद जीवन, तेल घी में तले-भुने जंक फूड की प्रधानता, तंबाकू गुटखे का जम कर उपयोग, सोने-जागने का बिगड़ा हुआ क्रम तथा तनाव से भरी हुई जिंदगी। इन सबका सम्मिलित प्रभाव किशोरावस्था में होता है, जिससे मोटापा और कम उम्र में डायबिटीज। ऊपर गिनाए समस्त कारणों में सबसे प्रधान चीज, जो हमारे सेहत को प्रभावित करती है, वह है हमारा खान-पान। खान-पान में सबसे मुख्य भूमिका होती है भोजन में तेल-घी की मात्रा।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

ट्रांस-फैट चिकनाई, दिल के लिए दोहरी समस्या

- आजकल लोग तुरंत भोजन के चक्कर में ट्रांसफैट (जंक) से सने घी-तेल में पकाये-छौंके, बघारे भोजन जैसे बर्गर, पिज्जा, मोमोज, छोले-भटूरे, पेप्सी आदि का सहारा लेते हैं और मोटापे तथा तोंद के शिकार होते हैं। तोंद के कारण असमय डायबिटीज और दिल की तमाम बीमारियां होती हैं। इसलिए अच्छा स्वास्थ्य चाहने वालों को इस प्रकार के भोजन से परहेज करना चाहिए।
- तोंद, तंबाकू, ताव, तनाव और ट्रांस-चिकनाई, सब मिल करते दिल में घाव।

आजकल हार्ट अटैक की महामारी के पीछे पांच प्रमुख कारण होते हैं। तोंद, तंबाकू, जिसमें धूम्रपान और गुटखा दोनों शामिल हैं, नाक के ऊपर गुस्सा, तनावपूर्ण जीवन और तेल-चिकनाई प्रधान भोजन का सेवन। ये सभी कारण दिल की धमनियों के अंदर घाव करते हैं, जिसके फलस्वरूप उनका मुंह बंद हो जाता है और खून का प्रवाह बंद हो जाता है। इस प्रकार उत्पन्न हुआ अवरोध (ब्लाकेज) हार्ट अटैक (हृदयाघात) को जन्म देता है। अच्छा हो कि हम इन सब चीजों से दूर रहें।

- कम कीजिए भोजन में तेल, नहीं तो बिगड़े सेहत खेल।
- रुद्ध धमनियां नहीं तालमेल, दिल में विचित्र घालमेल।
- तेल वनस्पति कोकोजम, दिल में करते गम ही गम।
- इन्हें त्यागिए स्वास्थ्य सुगम, दिल में होंगें ब्लाकेज कम।
- (कोकोजम से मतलब मूंगफली और नारियल से बना जमाया हुआ घी, जो शुद्ध घी के स्थान पर खाने-पकाने के काम में प्रयोग में लाया जाता है। अति संतृप्त चिकनाई होने के कारण यह दिल और धमनियों के स्वास्थ्य के लिए अधिक हानिकर होता है।)
- ध्यान रखें अधिक घी-तेल का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, विशेषतः हृदय के लिए। इसके परहेज से हम आजकल की बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं।

न खाएं अधिक तेल, न होगा हृदय फेल

भोजन में अधिक तेल की मात्रा शरीर में विशेषकर जिगर के अंदर अधिक चिकनाई एकत्र होने की प्रवृत्ति को जन्म देती है। जिगर के ऊपर चिकनी की सतह जम जाती है। खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है। यह चिकनाई खून की नलियों में जम जाता है और कम उम्र में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बनता है। इसलिए हर जो भारतीय अपनी सेहत चाक-चौबंद चाहता है वह अपने दैनिक भोजन में कम से कम 10 प्रतिशत तेल की मात्रा कम करे।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष

इस सप्ताह यदि किसी चीज को समर्पित भाव से करते हैं, तो उन्हें उसमें निश्चित रूप से मनचाही सफलता मिल सकती है। ऐसे में इस सप्ताह आपको हर चीज को पूरी लगन के साथ करने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप कोई बड़ा निर्णय लेना चाहते हैं, तो एक बार अपने शुभचिंतकों से भी सलाह लेना न भूलें।

वृष

इस सप्ताह आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिससे आपका मन प्रसन्नचित रहेगा और आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा व सकारात्मक भाव नजर आएगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन

यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से आपका कोई काम अटका हुआ था और तमाम कोशिशों के बाद भी अब तक नहीं पूरा हो पाया है, तो किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से बड़ी सरलता के साथ पूरा हो जाएगा।

कर्क

इस सप्ताह किस्मत दरवाजे खटखटा सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे, तो आपका कोई शुभचिंतक या प्रभावी व्यक्ति इस दिशा में आपका सबसे बड़ा मददगार बन सकता है। हालांकि आपके आलस्य अथवा अभिमान के चलते हाथ आया अवसर निकल भी सकता है।

सिंह

यह सप्ताह मध्यम फलदायी साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको अपनी लाइफ तेजी से आगे बढ़ती हुई, तो कभी अटक-अटक कर चलती हुई नजर आएगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में बड़े उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। धन की दिक्कत की कमी और खराब सेहत आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है।

कन्या

इस सप्ताह अपने कार्य को बहुत सूझबूझ के साथ समय पर बेहतर तरीके से करने की जरूरत रहेगी अन्यथा आपको अपेक्षित परिणाम और लाभ, सफलता में कमी देखने को मिल सकती है। आपको अपने कार्य योजना बनाकर और समयबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कागजी काम में लापरवाही तथा नियमों के उल्लंघन करने से बचना चाहिए।

तुला

इस सप्ताह आप यदि अपने समय, ऊर्जा और धन आदि का प्रबंधन करके चलते हैं, तो आप जीवन में आने वाली तमाम तरह की परेशानियों से खुद को बचा सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में पारिवारिक विवाद आपकी चिंता का कारण बनेगा। घर के किसी प्रिय व्यक्ति के साथ किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है।

वृश्चिक

यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस पूरे सप्ताह आप स्वजनों के साथ मौज-मस्ती करते हुए नजर आएंगे। सीनियर और जूनियर दोनों आप पर मेहरबान रहेंगे। आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल होंगे और आपको कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु

इस सप्ताह आपको लंबे समय बाद वो अवसर प्राप्त हो सकता है, जिसके लिए आप बेकरार बैठे हुए थे। आपके संगी-साथी आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे। सप्ताह की शुरुआत में रोजी-रोजगार के सिलसिले में की गई यात्रा अत्यंत ही सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

मकर

यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में शुभता बनी रहेगी और आप मनचाही सफलता और लाभ प्राप्त करेंगे। आपके भीतर अपने करियर-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाने की लालसाएं जागेंगी और आप इस दिशा में बेहतर प्रयास भी करते नजर आएंगे। आपके सपनों को साकार करने में आपके इष्टमित्र भी काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ

यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। आप अपने इष्टमित्रों की मदद से अपनी तमाम मुश्किलों को दूर करके अपने अधूरे कार्य को पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे। जो कारोबार बीते कुछ समय से रेंग-रेंग कर चल रहा था, उसमें अचानक से गति आ जाएगी और बाजार में आप दोबारा से अपनी साख बनाने में कामयाब हो जाएंगे।

मीन

इस सप्ताह आपका अधिकांश समय स्वजनों और इष्टमित्रों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इस दौरान आपका प्रभावी लोगों के साथ संपर्क बढ़ेगा। आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। आपको किसी कार्य विशेष के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 32

काकुरो 31 का हल

	22	10	13	4	3			12	26
15	5	2	4	3	1		9	2	7
24	8	4	9	1	2	21	17	3	8
10	9	1	26		7	4	3	1	2
	11	3	8	6	4	8	7	6	9
	28	14	6	2	1	9	8	26	
26	8	4	9	3	2	17	9	8	11
10	4	2	3	1	4	7	17	2	1
16	9	7		32	3	5	8	9	7
8	7	1		22	1	2	9	7	3

कहानी

अपने-अपने युद्ध

दो सुयोग्य पुत्रों और एक विदुषी पुत्री के चहेते पिता अवधेश लाल अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद एकदम अकेले पड़ गए थे। उनका बड़ा पुत्र अभिनव अमेरिका में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जीवनयापन कर रहा था और बेटी अनुष्का अपने बच्चों और पति के साथ जर्मनी में रह रहे थे। अवधेश लाल के छोटे बेटे डॉ. अनुराग ने पास के ही शहर में अपने पूज्य पिता के नाम पर "लाल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल" खोल लिया था, जिसमें वह स्वयं और उसकी गायनोलॉजिस्ट पत्नी डॉ. अनुप्रिया कार्यरत थे। अवधेश लाल नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद घमसरा कस्बे में स्थित अपने पैतृक निवास में आकर अपनी पत्नी के साथ आनंदपूर्वक रह रहे थे। अनुराग और अनुप्रिया के आग्रह पर दस-पंद्रह दिन के लिए वे लोग उनके घर भी चले जाते थे। वहां पर पौत्र अनिंद्य और पौत्री अणिमा के साथ उन दोनों का समय बहुत अच्छा बीतता था, मगर खेती और बाग-बगीचे की चिंता में वह वापस घमसरा लौट आते थे।

अचानक पत्नी की मृत्यु के बाद लाल साहब को उनके छोटे पुत्र और पुत्रवधू ने अपने साथ रहने का आग्रह किया। उनके बड़े बेटे और बेटी ने भी उन्हें समझाया कि वृद्धावस्था में यहां घमसरा में आपका अकेले रहना ठीक नहीं है। यहां आपकी देखभाल कौन करेगा? यदि आप 'छोटे' के पास रहेंगे तो आपकी अच्छे से देखभाल होती रहेगी। शहर में सारी सुविधाएं हैं, यहां गांव में गृह कार्य हेतु तो शायद ही कोई सेविका मिले। फिर बिजली की किल्लत और बीमार होने पर अच्छे इलाज की भी उपलब्धता नहीं है।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

उनकी बात मानकर अवधेश लाल ने अपने पैतृक खेत बटाई पर दे दिए और एक दिन मकान में ताला लगाकर अनुराग के साथ उसके घर पर रहने के लिए चले गए। अनुराग और उसकी पत्नी प्रातः आठ बजे तैयार होकर घर से निकलते तो रात्रि में दस बजे के बाद ही वापस लौटते। कभी-कभी इमरजेंसी में उन्हें रात्रि में भी उठकर अस्पताल जाना पड़ता। पौत्र अनिंद्य जो बचपन में अपने माता-पिता को छोड़कर हमेशा बाबा-दादी के पास चिपका रहता था और जब वह घमसरा वापस जाने के लिए तैयार होते, तो रो-रोकर उसका बुरा हाल हो जाता था, वह अब आईआईटी मुंबई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। वह कभी-कभार ही दो-चार दिन के लिए घर आता। बचपन में बाबा से सोते समय कहानी सुनने और दिन भर उनके आगे-पीछे चक्कर लगाने वाली पौत्री अणिमा नीट की तैयारी कर रही थी। वह भी प्रातः नौ बजे कोचिंग के लिए निकलती, तो सायं पांच बजे तक वापस लौटती और घर आकर अपनी पढ़ाई में लग जाती।

बेचारे अवधेश लाल टुकुर-टुकुर इन सब परिजनों को आते-जाते देखा करते। उनकी इच्छा होती कि उन्हें अपने पास बैठाकर उनसे कुछ देर बातें करें, मगर फिर उनकी व्यस्तता का ख्याल कर चुप रह जाते। धीरे-धीरे एकांत में रहने के कारण उनकी उदासी बढ़ती गई और उन्हें अपना जीवन बोझ के समान प्रतीत होने लगा।

एकांत से निजात पाने के प्रयास में वह शाम के समय घर के निकट स्थित पार्क में टहलने निकल जाते। धीरे-धीरे पार्क में उनका कई हम उम्र लोगों से परिचय हो गया। उनमें भी दो-तीन लोग अवधेश लाल की ही तरह अकेलेपन से ऊबे हुए थे। अक्सर शहर में नए खुले "ओल्ड सिटीजन होम" में उपलब्ध सुविधाओं की चर्चा करते रहते थे। इस वार्तालाप से अवधेश लाल ने यह निष्कर्ष निकाला कि वहां पर अनेक वृद्ध लोग रहते हैं अतः ओल्ड सिटीजन होम में रहने पर अनेक हम उम्र साथी मिल जाते हैं। इससे वहां आपस में बातचीत करने वालों की कोई कमी नहीं रहती है और अकेलापन नहीं महसूस होता है। समय पर भोजन, बीमार होने पर उपचार आदि की भी सुविधा है। अतः उन्होंने मन बनाया कि कुछ दिन ओल्ड सिटीजन होम में रहकर देखा जाए, लेकिन अवधेश लाल को बेटे और बहू से यह बात कहने में संकोच हो रहा था। उन्होंने कई बार अपने मन की बात अनुराग से कहने की कोशिश की मगर बेटे को यह बात बुरी लगेगी, यह सोचकर वह कह नहीं पाए। एक दिन संध्या के समय जब वह पार्क से घूमकर लौट रहे थे, एक मोटर साइकिल से उनकी टक्कर हो गई। मोटर साइकिल सवार जो पंद्रह सोलह वर्ष का किशोर था और संभवतः मोटरसाइकिल चलाना सीख रहा था, दुर्घटना घटित होते ही वहां से भाग गया। इस दुर्घटना में लगी चोट के कारण अवधेश लाल उठ कर खड़े नहीं हो सके। सहायता हेतु आगे आए एक अपरिचित व्यक्ति को उन्होंने अपने पुत्र डॉ. अनुराग का फोन नंबर बताया और उससे कहा कि इन्हें फोन करके इस स्थान का विवरण देते हुए तुरंत आने के लिए कह दो।

डॉ अनुराग दुर्घटना की सूचना पाते ही अपनी पत्नी के साथ एम्बुलेंस में

बैठकर तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। पैर का एक्स-रे कराने पर ज्ञात हुआ कि अवधेश लाल की दायीं टांग की हड्डी टूट गई है।

लाल साहब को उनके पुत्र ने लाल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कर लिया। पौत्री अणिमा को बाबा के चोटिल हो जाने की सूचना मिली तो वह भागती हुई अस्पताल पहुंची। रो-रोकर उसका बुरा हाल हो गया था। अवधेश लाल ने प्यार से उसके सिर हाथ फेरा और अपने दर्द पर नियंत्रण करते हुए उसे समझाया कि उन्हें कुछ खास चोट नहीं आई है। डॉ. अनुराग ने हड्डी विशेषज्ञ को बुलाकर अपने अस्पताल में ही पिता की टांग पर प्लास्टर चढ़वा दिया। जब तक उनकी टांग पर प्लास्टर नहीं चढ़ गया, डॉ. अनुराग और उनकी पत्नी दोनों वहां मौजूद रहे। उसके बाद भी वे दोनों बीच-बीच में आकर उनसे दर्द की जानकारी प्राप्त करते रहे। विदेश में रह रहे उनके बड़े पुत्र ने पिता के चोटिल होने का समाचार सुना तो वह भी तीसरे दिन उन्हें देखने के लिए भारत आ गया। उन्होंने उसे देखते ही कहा - "तुम क्यों व्यर्थ ही भागे चले आए। मुझे कोई भयानक रोग तो नहीं हो गया है, जो इतना परेशान हो गए। फिर उन्होंने अनुराग से पूछा-"क्यों अनुराग? क्या तुमने अनुष्का को भी एक्सीडेंट के विषय में सूचना दे दी है?"

"हां! सूचना न देता तो दीदी शिकायत करतीं।"-अनुराग ने सिर झुकाकर उत्तर दिया। यह सुनकर अवधेश लाल ने अपने बड़े पुत्र से कहा-"बेटा! तुम अनुष्का को समझा दो कि मुझे मामूली चोट लगी है, घबराने की कोई बात नहीं है। पापा ने कहा है कि तुम परेशान न होना।" उनकी बात सुनकर अभिनव ने अनुष्का को फोन मिलाकर उसे समझाने का प्रयास किया तो वह बोली- "मेरा टिकट बुक हो गया है। मैं परसों भारत पहुंच रही हूं।"

यह सुनकर अवधेश लाल ने अभिनव से फोन लेकर अनुष्का को समझाया-"बेटा! मुझे मामूली चोट लगी है। चिंता की कोई बात नहीं है। अतः तुम अपना टिकट निरस्त करा दो। बेकार में परेशान होने से क्या लाभ।" यह सुनकर अनुष्का बनावटी गुस्सा दिखाते हुए बोली-"अब लो, मेरे मायके आने में भी मनाही और वह भी पापा के द्वारा..." इस पर अवधेश लाल ठठाकर हंस पड़े। फिर बोले- "तुम्हें तो समझाना बेकार ही है। तुम बिना व्यर्थ की भाग-दौड़ किए, मानने वाली नहीं हो।"

अवधेश लाल ने महसूस किया कि सारे बच्चे उन्हें बेहद प्यार करते हैं। यह अलग बात है कि व्यस्तता के कारण वे सब उन्हें समय नहीं दे पाते। मगर आवश्यकता पड़ने पर वे सब अपने जरूरी काम छोड़कर मेरे लिए एक पैर पर नाचते नजर आते हैं। वास्तव में, सबके सब अपना-अपना युद्ध लड़ने में व्यस्त हैं। एक वही हैं, जिन्हें अब कोई युद्ध नहीं लड़ना है। सामने कोई लक्ष्य न होने के कारण, उन्हें समय काटने में कठिनाई का अनुभव हो रहा है। उन्हें याद आया कि उनकी जवानी के दिनों में वह चाहकर भी अपने माता-पिता से मिलने के लिए महीनों नहीं पहुंच पाते थे और जब कभी बच्चों के विद्यालय बंद होने पर वह कार्यालय से अवकाश स्वीकृत कराकर घमसरा जाते थे, तो उनके माता-पिता के चेहरे फूल की तरह खिल जाते थे। उनके चेहरों की झुर्रियां विलुप्त होने लगती थीं। यदि उनके आने की सूचना अम्मा जी को पहले मिल जाती, तो उनकी जर्जर काया में विद्युत सी प्रवाहित हो जाती और वह पूरे घर की लिपाई-पुताई कर डालतीं। यह सब सोचते हुए उन्हें इस बात पर प्रसन्नता हो रही थी कि उन्होंने सीनियर सिटीजन होम में जाकर रहने की अपनी इच्छा अनुराग के समक्ष व्यक्त नहीं की थी। एक दिन जब वह घर में अकेले चारपाई पर पड़े यही सब सोच रहे थे, तो महरी ने अपने पुत्र का परीक्षाफल दिखाते हुए पूछा-"बाबू जी, देखिए मेरा बेटा पढ़ाई-लिखाई में कुछ ठीक ठाक है या नहीं?" उन्होंने परीक्षा फल देखकर कहा- "इसकी अंग्रेजी और गणित कुछ कमजोर है। बाकी विषयों में अच्छे अंक हैं। तुम इसे अपने साथ ले आया करो तो मैं इसे ये दोनों विषय पढ़ा दिया करूंगा।"

यह सुनकर महरी खुश हो गई। अगले दिन से वह अपने बेटे को साथ लाने लगी। लाल साहब ने एक महीने में ही उसे अंग्रेजी और गणित विषयों में भी काफी प्रवीण कर दिया। महरी ने अपने मोहल्ले में जाकर लाल साहब की ऐसी प्रशंसा की कि बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाने का अनुरोध उनसे करने लगे। लाल साहब ने उन गरीब बच्चों को मुफ्त में पढ़ाना स्वीकार कर लिया। अब वह अपराह्न तीन बजे से साढ़े चार बजे के बीच लान में बैठकर बच्चों को पढ़ाने लगे। इस कार्य में उन्हें आनंद मिलने लगा। अब उदासी और अकेलापन उनके पास भी नहीं फटकते थे।

एक दिन अनुराग और अनुप्रिया घर में ही थे। उन्होंने देखा कि तीन बजे बाबू जी तैयार होकर लान में बैठ गए। एक-एक कर दस-बारह बच्चे अंदर लान में आए और उनके पैर छूकर लान में फर्श पर बैठ गए। बाबू जी ने हर बच्चे के सिर पर हाथ फेर कर उसे आशीर्वाद दिया और फिर पढ़ाना शुरू कर दिया। यह देखकर उन दोनों को बहुत तसल्ली हुई कि बाबू जी का मन इन बच्चों को पढ़ाने में लग गया है और अब वह प्रसन्न रहने लगे हैं। रात्रि में भोजन करते समय स्वयं अवधेश लाल ने बताया कि बच्चों को पढ़ाने के कार्य में उन्हें बहुत आनंद आ रहा है और अब वह यहां शहर में अच्छा महसूस कर रहे हैं। उनकी बात सुनकर सभी हंस पड़े।

गजल/कविताएं/गीत

वोट का त्योहार

वोट का आ गया त्यौहार
चलो अच्छा है,
हो गए आपके दीदार चलो
अच्छा है।

ईद का चांद तो दीखे है बरस
में इक दिन,
आपका दिखना है दुश्वार
चलो अच्छा है।

हाथ आता है कहां तेरा
दिखाया कुछ भी,
हो रही वादों की बौछार चलो
अच्छा है।

पूछता कौन है गुरबत के मारे
बच्चों से,
आ रहा उन पे तुम्हें प्यार चलो
अच्छा है।

दागियों में ही सभी चुनते हैं
दागी कोई,
देश है सारा गुनहगार चलो
अच्छा है।

लूटने आए हैं इनको भी जरा
मौका दें,
कर रहे कब से इंतिजार
चलो अच्छा है।

बन गए हार के भी आप
कबीना मंत्री,
जीत करके भी हम बेकार
चलो अच्छा है।

हरिमोहन वाजपेयी
साहित्यकार

श्मशान की आवाज

हश्र जानते हो?,
यहां जो भी आता है,
राख हो जाता है,
तुम्हारे पास धन, बल, शान-
शौक़त ही तो हैं,
इसका इतना गुरूर?
दिन में सिर्फ एक बार मेरे
पास आओ तो सही,
कुछ पल रोजाना यहां
बिताओं तो सही,
फिर देखना मेरा चमत्कार,
नेक इंसान बन जाओगे,
बिल्कुल निर्मल हो जाओगे,
शांति के वाहक हो जाओगे,
जिधर देखोगे सिर्फ इंसान
ही नजर आएंगे,
इंसान को इंसान समझने
लग जाओगे,
द्वेष, छल, कपट, घमंड से दूर
हो जाओगे,
रोजाना, बस एक बार आओ
तो सही।
अपने आपको बदलने का
एक बार सोचो तो सही।

डॉ बी. पी. सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

वापस हो जाएं

रिश्तों की गर्माहट में जब,
शीतलता शामिल हो जाएं।
नेह प्रेम से भरा धरातल
शनैः शनैः ऊसर हो जाए।
डोरी टूटे उसके पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।
आंखें छलकें उसके पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।

हरा भरा गुलशन रखने को
हमने गुल को नेह दिया था।
भरी फसल कड़वाहट आयी
होकर हमने मौन सहा था।
बरबादी आने के पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।

परिवर्तन है सार जगत का
अंगीकृत करना ही होगा।
व्यथित हृदय के द्रवित भाव को
मन ही मन पीना ही होगा।

प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव
गोण्डा

लघुकथा

जिम्मेदारी की हार

आज यदि कोई सबसे ज्यादा खुश है, तो वह है कुमार साहब का बेटा रोहन। आखिर रोहन के चचेरे भाई की शादी जो है। शादी की जितनी भी जिम्मेदारी घर के सदस्यों की थी, उतनी ही जिम्मेदारी रोहन पर भी थी। रोहन को पहले दिन से ही उसके चाचा राजेश ने शादी का सारा तय कार्यक्रम कह सुनाया था ताकि रोहन को किसी भी कार्य के करने में कोई परेशानी न हो। रोहन भी पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य को पूरी तरह निभाने में मशगूल था फिर चाहे वह कार्य अतिथि सत्कार का हो या शादी की अन्य रस्मों का हो। सभी रोहन के कार्यों से बहुत खुश थे। देखते ही देखते शाम को बारात जाने का समय हो गया। रोहन जल्दी तैयार हुआ और अपने ताया के लड़के योगेश के साथ अलग गाड़ी पर बारात के साथ चल पड़ा। बीच रास्ते में योगेश ने गाड़ी को कहीं और घुमा दिया और थोड़ी देर गाड़ी रोकने के बाद वह दुकान से शराब की बोतल ले आया।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

रोहन ने शराब पीने से इंकार किया और बोला कि चाचा जी ने मुझे बहुत काम सौंपे हैं मुझे उन्हें पूरा करना है, यह काम नहीं करना है, लेकिन योगेश कहां मानने वाला था। उसने रोहन को भी शराब पिलाई और खुद भी शराब का खूब सेवन किया। दोनों ने अपने पिता को फोन करके बता दिया कि वे सुबह मिलेंगे और किसी दोस्त के घर चले गए हैं। उन दोनों ने इतनी शराब पी कि कुछ भी होश न रहा। वे दोनों शादी की रस्में तक नहीं देख सके। उधर रोहन के पिता समझ चुके थे कि असली माजरा क्या है? लेकिन शादी के बीच में उन्होंने माहौल को संभाले रखा। और तो और रोहन को सुझाए गए सारे काम, रोहन के पिता ने ही किए। अगले दिन वधु प्रवेश के आयोजन समारोह पर रोहन घर आ पहुंचा। रोहन के बाल बिखरे थे और कपड़े भी गंदे हो चुके थे। यह देखकर रोहन के पिता से रहा नहीं गया और उन्होंने सबके सामने रोहन की खूब पिटाई की। एक मामूली शराब पीने के कारण रोहन ने शादी का सारा मजा किरकिरा कर दिया। रोहन, जो पहले पूरी जिम्मेदारी के साथ शादी के हर कार्य करने में मशगूल था, एक शराब ने उसका खूब मजाक बनाया। रोहन की तरह ऐसे कई लोग हैं, जो किसी भी समारोह का आनंद तो उठाना चाहते हैं, लेकिन शराब पीने की लत उन्हें सब कुछ भुला देती है। उन्हें यह ज्ञात नहीं रहता कि समारोह की स्मृतियां कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, जो असल आनंद देती हैं स्वयं को भी और परिवार को भी।

पालतू कुत्ता

मनुष्य भी किस-किससे ईर्ष्या न करने लगे। अब सरदीप जी को देखिए! बूढ़े हो गए हैं, लेकिन वही है-ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से। वे अपने पड़ोसी खन्ना जी के पालतू कुत्ते-टॉमी के सुख से जले-भुने जा रहे हैं। दीपावली के दिन जैसे ही पटाखे दगने लगे, टॉमी दौड़कर खन्ना मैडम के कोरे में जा घुसा। उसको डरा देखते ही खन्ना मैडम ने भी उसे आंचल में ऐसे छिपा लिया, जैसे वह कोई दूध पीता बच्चा हो। वे कितने प्यार से बोल रही थीं उससे! यद्यपि वह डर के मारे कूं-कूं के अलावा कुछ बोल भी नहीं पा रहा था, फिर भी उससे कितना स्नेहिल संवाद कर रही थीं वे। काश!... सरदीप जी यह सब बुदबुदा रहे थे और जब 'काश' कहकर चुप हो गए, तब बगल में ही बैठीं उनकी पत्नी सुशीला से रहा न गया।

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

सुशीला-"कहो-कहो, आगे कहो। 'काश' कहकर रुक क्यों गए?"

सरदीप- "अरे क्या कहें! कोई कुत्ते को इत्ता दुलारता है भला? खन्ना मैडम का तो इस साले ने मुंह ही चाट लिया।"

सुशीला-"खबरदार! जो कुत्ते को साला कहा तो।"

सरदीप-"अब तुम भी उसी की हिमायत करोगी? हद है।"

सुशीला-"हद क्या? यदि मैं उसे ससुर कहूं तो क्या तुम्हें गुदगुदी होगी?"

सरदीप-"ओफ्फो! तुम भी, कहां की बात, कहां लेकर भागती हो!" सुशीला-"हम ही तो बाधा हैं। अपनी अवस्था नहीं देखते! राम-राम जपने की बजाय एक पालतू कुत्ते के सुख में चित्त लगाए पड़े हो। लोग कहते हैं मनुष्य अगला शरीर उसी जीव का पाता है, जो उसके चित्त में बसा होता है।"

सरदीप- "एं! नहीं-नहीं... मुझे शरीर तो मनुष्य ही का चाहिए।"

सुशीला- "मतलब, मनुष्य के रूप में पालतू कुत्ता होने की चाह!"

सरदीप जी देर तक सुशीला का चेहरा देखते रहे।

समीक्षा

दीप जला उर के आंगन

आलोच्य कृति 'दीप जला उर के आंगन' काव्य संग्रह बुंदेलखंड के प्रख्यात साहित्यकार अभिनंदन कुमार गोइल की सद्यः प्रकाशित कृति है, जिसमें साहित्य की विभिन्न काव्य धाराओं में पाठक अवगाहन कर सकता है। यह कृति विविधता में एकात्मकता का साक्षात्कार कराती है। कविता में तीन तत्व प्रधान माने जाते हैं यथा छंद, गेयता और समग्र प्रभाव। कविवर इन कसौटियों पर सिद्धता प्राप्त करने में सफल हुए हैं। कृतिकार की इसके पूर्व प्रणीत रचनाएं बुंदेलखंड के मर्म, कर्म और धर्म की त्रयी का निर्वहन करने में सफल हुई हैं। इस कृति के कलेवर में समाहित रचनाओं में विविध काव्य- विधाओं की झलक है। कवि ने वर्तमान युग की समस्त चिंताओं को चिंतन के केन्द्र में रखकर समाधान खोजने का श्रेष्ठ उपक्रम किया है। प्रयुक्त हिन्दी भाषा के खड़ी बोली रूप के साथ उर्दू और बुंदेली का उपयोग कृति में हुआ है। चूंकि कवि बुंदेली माटी से प्रसूत शब्द साधक है इसलिए अपनी आंचलिक भाषा के प्रति उनका अनुराग भाव प्रभूत परिमाण में दृश्यमान है।

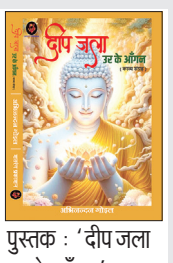

पुस्तक : 'दीप जला उर के आँगन'
लेखक : अभिनन्दन कुमार गोइल
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ
मूल्य: 350/-
समीक्षक- डा. जबाहर लाल द्विवेदी, सेवानिवृत्त प्राचार्य, गुना (म.प्र.)

गोइल जैनागम के प्रबल आग्रही हैं, इसलिए कविताओं में आत्मशुद्धि और आत्म कल्याण की अनुगूंज भी है। उन्होंने इस संग्रह में सोडष विधाओं के माध्यम से काव्य-कौशल प्रदर्शित किया है, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा का जीवंत साक्ष्य है। कृति की छंदमुक्त रचनाएं भी छंदबद्ध-पद्य सा रसपान करातीं हैं। कृति में प्रयुक्त सभी विधाओं में रचित काव्य प्रस्तुतियां मन को प्रमुदित और प्रफुल्लित करतीं हैं। कृति का कला पक्ष और भाव पक्ष अत्यंत समृद्ध है। भाषा ओज, माधुर्य और प्रांजलता से संपन्न है। जीवन अनुभव की अमिट छाप लगभग सभी रचनाओं में प्रतिविंबित है। कवि की सोच संकीर्णता से सर्वथा मुक्त है, जो भाव और भाषागत दृष्टि से उनकी संवेदनाजन्य अनुभूति का प्रतिपाद्य है। बुंदेली भाषा का बहुलांश में प्रयोग यह आश्वस्ति देता है कि कवि अपनी जड़ों से दृढ़भाव के साथ जुड़ा है, इसलिए जन्मभूमि की महक का अनुभव कृति में यत्र-तत्र विद्यमान है। कृति पठनीय, चिंतनीय और संग्रहणीय है। युवा वर्ग को प्रेरणाप्रद है।

व्यंग्य

बेचारा पति

दो कौड़ी का पति संसार का सबसे विचित्र, मुफ्त में उपलब्ध, पत्नी के रिमोट से संचालित समाज का सबसे निरीह प्राणी है। उसके बिना घर-परिवार की कल्पना ही अधूरी है। वह घर का माना हुआ देवता है। 'घर का मुखिया' है। जीवन रूपी गाड़ी का 'पहिया' है। वह 'भर्ता' है। इतने सारे अलंकारों से अलंकृत होने के बाद भी पति बेचारा निरीह और निस्पृह बना रहता है।

पति शब्द की व्युत्पत्ति 'पा' धातु से हुई है,जिसका अर्थ होता है 'रक्षक'। लाचार पति जो अपनी ही रक्षा नहीं कर सकता वह पत्नी की क्या रक्षा कर सकता है। ऊपर से पत्नी की धमकी- 'तुम्हें सब्जी की तरह काटकर नीले ड्रम के हवाले कर दूंगी।' बेचारे पतियों की धिग्गी बंधी हुई है। जब पत्नी रूपी यमराज उसके सामने हो, तो मृत्यु के देवता को कौन याद करे। घरजमाई पतियों की हालत तो और भी दयनीय हो जाती है। पत्नी के साथ सास और ससुर भी हाथ धोकर जान के पीछे पड़े रहते हैं। ऐसे पति केवल 'हनुमान चालीसा' पढ़ कर अपने प्राणों की भीख मांग सकते हैं। अन्यथा पत्नी के के हाथों उसका 'श्राद्ध' होना तय है। पति शब्द में दो ही वर्ण हैं- प+ति=पति। प-पति, ति-तिरस्कार। अर्थात वह पति जो पत्नी का तिरस्कार, अपमान सहकर भी अपनी सहधर्मिणी का साथ निभाता हो सच्चे अर्थों में पति कहलाने का अधिकारी है। शाब्दिक व्याख्या के आधार पर देखें तो पत्नी का अर्थ भी कम रोचक नहीं है। प+त्+न+ई = पत्नी, प=पत्नी, अर्थात वह स्त्री जो हमेशा अपने पति के ऊपर तनी रहे। शायद यही सोचकर हमारे राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा है- "एक नहीं दो-दो मात्राएं नर पर भारी नारी"।

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य

अधिकांश पत्नियां पति को अपना देवता मानती हैं। "मेरा पति मेरा देवता है"। पति देव कहकर संबोधित भी करतीं हैं, लेकिन बेचारे पति की हालत दो कौड़ी वाली ही है। यह पति नामक जीव यत्र-तत्र-सर्वत्र पाया जाता है। पत्नी जब मुस्करा कर चंचल नयनों के साथ पति के सामने हो, तो उसे सतर्क हो जाना चाहिए उसके गर्दन पर छुरी चलने ही वाली है। पति भले ही लखपति, करोड़पति, अरबपति, उद्योगपति क्यों न हो उसकी हालत अंबानी जैसे ही है। उसके वेतन का अधिकांश भाग उसके सौंदर्य प्रसाधन, जिम, क्लब, किटी पार्टी आदि पर खर्च होना तय है। मासिक वेतन पर गुजारा करने वाले पतियों की हालत और भी दयनीय है। मुंशी प्रेमचंद जी ने कहा है कि- "मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चांद होता है।" शायद इसीलिए पति 'ओवरटाइम' करते हैं। पति की हालत उस माली जैसे है, जो अपने श्रम से परिवार रूपी वाटिका को सजाता है, लेकिन उसका 'श्रेय' कोई और ले जाता है। बेचारा पति 'केयर टेकर' बनकर रह जाता है।

अपमान के आंसू पति नामक प्राणी को हर जगह पीना पड़ता है। ऑफिस में वह अपने 'बॉस' की, घर में अपने पत्नी की, बनिये से 'उधार' की और दोस्तों के बीच 'जोरू के गुलाम' की तानाकसी उसे सुननी पड़ती है। उसकी छवि ऐसे निरीह प्राणी की होकर रह गई है कि उसे हर जगह 'मिमियाना' ही पड़ता है। 'नून-तेल-लकड़ी' के फेर में उसे दिन-रात पिसना ही पड़ता है। शादी के बाद उसका 'रिमोट' पत्नी के हाथ में चला जाता है। बच्चों की फीस, परिधान, कॉपी, किताब, पानी, बिजली और मोबाइल का रिचार्ज पति करता है, लेकिन उसका उपभोग वह नहीं कर सकता। हर वक्त बेबसी के आलम में जीता है। उसके होंठों की हंसी झुलस जाती है। जीवन के तराने विस्मृत के गर्त में दफ्न हो जाते हैं। उसकी सुख-सुविधा 'ताले' जड़ दिए जाते हैं फिर भी यह प्राणी जिंदा रहता है, तो अपने परिवार के लिए।

पति की हैसियत 'दाल में नमक' के बराबर होती है। उसके बिना दाल का स्वाद फीका और बेमज़ा लगता है। घर के लिए पति की स्थिति जरूरत का 'सामान' जैसे हो गई है। दूध और शक्कर में सारे गुण मौजूद हैं, लेकिन वह चाय नहीं बन सकता। बेचारा पति चाय में रंग भरने का काम करता है। बच्चों की 'हगीज' बदलने से लेकर घर का हर छोटा-बड़ा काम करता है, लेकिन उसका नाम नहीं होता। शाम को पत्नी जब बिस्तर पर आती है, तो-"देखो जी मैं बहुत थक गई हूं, ज़रा मेरे सिर में 'बाम' लगा देना। शायद सुकून की नींद आए। पति की नींद उड़ी हुई है, लेकिन पत्नी के सकून की दवा भी पति ही है। दो कौड़ी का यह जीव घर के लिए 'शो-पीस' बनकर रह गया है। हिंदी का एक प्रचलित मुहावरा- 'घर की मुर्गी दाल बराबर' अक्षरसः पति पर ही चरितार्थ होती है। फूटीं कौड़ी की जगह दो कौड़ी ही सही कम से कम उसका वजूद तो है। पति नाम का यह प्राणी अगर घर में न हो तो पत्नी की डांट, बच्चों की शिकायतें और समाज की उलाहना भला कौन सुनेगा। मेरी समझ से तो दो कौड़ी का पति समाज का अनमोल प्राणी है।

सर्दियों की शादी में अपनाएं स्टाइल और परंपरा का कॉम्बिनेशन

किसी भी मौसम में शादियां मजेदार होती हैं, लेकिन सर्दियों की शादियां कुछ अलग होती हैं। बर्फीले नजारों, आरामदेह माहौल और गर्म रोशनी के साथ, ये जादुई होती है। ठंड के मौसम में हर समारोह में पहनने के लिए कपड़ों पर विचार करना जरूरी होता है। सर्दियों में शादी में क्या पहनें, जिससे आपको ठंड न लगे और आपको अपने खूबसूरत कपड़ों के ऊपर जैकेट पहनने की जरूरत न पड़े? सर्दियों में शादी के लिए तैयार होने में स्टाइल, परंपरा और आराम का संतुलन जरूरी है। शादी में खूबसूरत दिखना है, इसलिए कपड़े, लेयरिंग स्टाइल और एक्सेसरीज का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। ठंड का मौसम आपके सामने चुनौती लेकर आता है, लेकिन भारी-भरकम न दिखने, अपनी गतिशीलता बनाए रखने तथा यह सुनिश्चित करने की चुनौती भी लाता है कि आपकी शीतकालीन शादी की पोशाक संभावित ठंड या ठंड की परिस्थितियों के लिए अनुकूल हो।

इनडोर बनाम आउटडोर शादियां

इनडोर शादियां : शादियां अक्सर बैंक्वेट हॉल या ऐतिहासिक इमारतों में होती हैं, जहां हीटिंग की सुविधा उपलब्ध होती है। ऐसे मामलों में, कपड़े हल्के हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि वे कई परतों में हों, इससे आप किसी भी संभावित मौसम परिवर्तन के दौरान आरामदायक महसूस करेंगे।

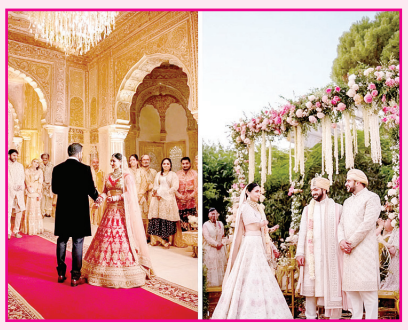

आउटडोर शादियां

ये ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती हैं, क्योंकि शादी में शामिल होने वाले लोग और मेहमान सीधे ठंड के मौसम के संपर्क में आते हैं। इसलिए ऐसे कपड़े चुनना और भी जरूरी है, जो आपको गर्म रखें और मौसम के असर से भी सुरक्षित रहें। ऐसे मामलों में सिलवाए हुए कोट और फरलाइन वाले सामान जरूरी हैं।

पहनावे पर ध्यान दें : इनडोर आयोजनों के लिए मखमल या रेशम जैसे कपड़े चुनें, ये आलीशान तो होते ही हैं, साथ ही आपको गर्म भी रखते हैं। बाहरी शादियों के लिए थर्मल कपड़े पहनकर और भारी कपड़ों से बने कपड़े चुनकर गर्माहट को प्राथमिकता दें।

लेयरिंग और कपड़े का ऑप्शन

लेयरिंग सुनिश्चित करती है कि आप गर्म रहेंगे, लेकिन स्टाइल से समझौता नहीं करेंगे। बुनियादी परतों में थर्मल टाइट्स, अंडरशर्ट या बॉडीसूट हो सकते हैं। बाहरी परतों में शॉल, रैप या केप शामिल हो सकते हैं, जो शादी की थीम और औपचारिकता के अनुरूप हों।

सांस्कृतिक और क्षेत्रीय प्रभाव

पारंपरिक प्रभाव : महिलाओं के लिए सर्दियों की शादी के परिधान अक्सर सांस्कृतिक रीति-रिवाजों से प्रभावित होते हैं, भारतीय शादियों में अक्सर भारी रेशमी साड़ियां होती हैं जिन पर जटिल कढ़ाई होती है। दूसरी ओर यूरोपीय शादियों में लंबी आस्तीन वाले लेस वाले गाउन पहनने की परंपरा है।

क्षेत्रवार उदाहरण : स्कैंडिनेवियाई शादियों में अक्सर ऊनी बाहरी वस्त्र शामिल होते हैं। मध्य पूर्वी सर्दियों की शादियों में भव्यता और गर्मजोशी के लिए समृद्ध ब्रोकेड और मखमली कपड़े का उपयोग किया जाता है।

शीतकालीन शादियों के लिए कपड़े

ऐसा कोई कारण नहीं है कि आपकी सर्दियों की शादी का लुक सबका ध्यान अपनी ओर न खींचे और आपको गर्माहट न दे। एक खूबसूरत और आरामदायक पोशाक का राज सही कपड़ों के चुनाव में छिपा है।

कपड़े का कलर

गहरे कलर : पन्ना हरा, बरगंडी, नेवी ब्लू और शाही बैंगनी जैसे रंग सर्दियों के दौरान सबसे लोकप्रिय होते हैं, क्योंकि ये समृद्ध और गर्म रंग होते हैं।

न्यूट्रल और पेस्टल : बर्फीले नीले, ठंडे भूरे और हल्के गुलाबी रंगों का चुनाव करें। ये महिलाओं के लिए सर्दियों की शादी की ड्रेस में एक नयापन लाएंगे।

पैटर्न और प्रिंट विकल्प

गहरे रंग के आधार और ज्वेल टोन वाले शीतकालीन पुष्प परिधान को मौसमी ट्विस्ट देने में मदद करते हैं।

ब्रोकेड पैटर्न, पैस्ले और सूक्ष्म उत्सव के रूपांकन, जैसे बर्फ के टुकड़े या सितारे, सर्दियों की थीम के साथ संरेखित होंगे।

शीतकालीन भारतीय शादी के परिधान

पारंपरिक परिधान : भारी कढ़ाई वाली रेशमी साड़ियां, मखमली लहंगे या ब्रोकेड अनारकली चुनें, जो गर्माहट और सुंदरता प्रदान करते हैं।

लेयरिंग तकनीक : साड़ी को पूरी बाजू के ब्लाउज या मखमली जैकेट के साथ पहनें। अतिरिक्त लेयरिंग के लिए ऊनी या रेशमी स्टॉल का इस्तेमाल करें।

पश्चिमी सांस्कृतिक पोशाकें

पोशाकें : सर्दियों की शादियों के लिए लंबी आस्तीन वाले गाउन, लेस ओवरले, मखमली कपड़े और ऊंची नेकलाइन के साथ, सुंदरता और गर्मी के लिए एकदम सही हैं।

बाहरी वस्त्र : लुक को पूर्ण करने के लिए पूरक रंगों में सिलवाए गए कोट या फर-लाइन वाले केप शामिल करें।

एक्सेसरीज

- कपड़ों के साथ मेल खाते दुपट्टे, वूलन क्लच या एम्ब्रॉयडरी वाले बूट्स सर्दियों में स्टाइलिश लुक का हिस्सा बन सकते हैं।
- लाइट ज्वेलरी और हाई बन हेयरस्टाइल ठंडे मौसम में आरामदायक और ट्रेंडी रहते हैं।
- रात के कार्यक्रमों में ग्लोइंग मेकअप और मेटेलिक आईशैडो लुक को पूरा करते हैं।

सर्दियों की शादी में तैयार होना कला है, जहां स्टाइल और आराम का संतुलन साधना जरूरी होता है। सही फैब्रिक, रंग और लेयरिंग का चुनाव आपको ठंड से सुरक्षित रखेगा और साथ ही आपको भीड़ में सबसे अलग बनाएगा। आखिरकार शादी का मौसम है-गर्मजोशी और ग्लैमर, दोनों का होना जरूरी है।

प्राकृतिक उपाय से करें सर्दियों में त्वचा की देखभाल

सर्दियां शुरू होते ही लोग रूखी और बेजान त्वचा की स्क्रिन प्रॉब्लम्स से परेशान होते दिखाई देते हैं। कई तरह के मॉइस्चराइजर, बॉडी लोशन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर सर्दियों में स्किन को इतनी केयर की जरूरत क्यों पड़ती है? मॉइस्चराइजर और बॉडी लोशन के अलावा भी कई तरीके हैं, जिनसे आप अपनी स्किन की केयर कर सकते हैं। यकीन मानिए, अगर आपने इन विंटर ब्यूटी टिप्स को अच्छे से फॉलो किया, तो हर कोई पूछेगा, जवां त्वचा का राज।

ग्लिसरीन

ग्लिसरीन एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है। यह त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइजर करता है और त्वचा को रूखेपन से बचाता है। ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए आप इसे गुलाब जल के साथ मिलाकर लगा सकते हैं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइज करता है। नारियल के तेल को रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

दूध और बादाम

दूध - बादाम का मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि बादाम में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को पोषण देता है।

पेट्रोलियम जैली

पेट्रोलियम जैली एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइज करता है। यह त्वचा को रूखेपन से बचाता है और त्वचा को मुलायम बनाता है।

केले का फेस पैक

केले में पर्याप्त मात्रा में मॉइस्चर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं। केले का फेसपैक बनाने के लिए एक पके हुए केले को मैश करें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धोलें।

कच्चा दूध और शहद

कच्चा दूध और शहद का मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। कच्चे दूध में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

इन प्राकृतिक उपायों को अपनाकर आप सर्दियों में भी अपनी त्वचा को मुलायम और चमकदार बना सकते हैं। बस इन उपायों को नियमित रूप से अपनाएं और अपनी त्वचा की देखभाल करें।

कहीं बीत न जाए रैना

जीवन का हर एक दिन आनंद से भरा होता है। आप अपने अंदर आनंद का उत्सव कैसे मनाते हैं यह आप पर निर्भर करता है। बाहर आनंद ढूंढने से बेहतर है पहले हमें खुद को देखना चाहिए। इसे ढूंढने में आप कितना समय लगाते हैं यह आप पर निर्भर करता है। कुछ समय रहते ढूंढ लेते हैं, तो कुछ को वर्षों बीत जाता हैं, पर हासिल कुछ नहीं हो पाता।

रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ़ हरियाणा

दुनिया में तरह-तरह की विचारधारा के लोग हैं। सबके जीने, कमाने, रहने का तरीका विभिन्न हैं। सब अपने काबिलियत के अनुसार अपना मेहनत करते हैं। कुछ अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं, तो कुछ लोग अपने भाग्य को दोषी ठहरा कर खुद भी ठहर जाते हैं, जो कम बौद्धिकता, कामचोरी को आंकता है। वह व्यक्ति वहीं ठहर कर नकारात्मक हो जाता है। वहीं से लोगों में कमियां और जलन जैसी बुद्धि घर कर जाती है। यह स्थिति जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग बंद कर देता है। आप आजीवन किस्मत को कोसते रह जाते हैं। कोई भी कार्य समर्पण मांगता है। आज-कल में टालने वाली बात का कल कभी आता ही नहीं। हर छोटे-छोटे काम को टालना मतलब खुद को धोखा देना है।

आप बात-बात में झल्लाना शुरू कर देते हैं। नुकसान यह होता, लोग आपके बदले स्वभाव देखकर दूरियां बढ़ाने लगते हैं। आपको यह प्रतिक्रिया देखकर क्रोध आता है। आप अपने अंदर न जाने कितनी गलतफहमियां पाल लेते हैं, जिससे आपका स्वास्थ्य भी खराब रहने लगता है। हर तरफ से नुकसान, फिर बात आपकी किस्मत पर आकर लटक जाती है।

ऐसे में सकारात्मक रहिए। हर व्यक्ति अपने मंजिल को पाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहा है। जिसे अपना लक्ष्य दिखता है, उसे आस-पास बड़ी से बड़ी घटना भी नजर नहीं आती। अगर नजर इधर-उधर जाएगी, तो फिसलकर गिर भी सकता है। इसलिए जब भी आप अपने लक्ष्य को लेकर चलते हैं, तो यह मत सोचिए, आपको कौन देख रहा है? कौन सुन रहा हैं या कौन क्या कह रहा हैं?

अमर प्रेम फिल्म का गाना राजेश खन्ना और शर्मीला जी के अंदाज में कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम हैं कहना, छोड़ो बेकार की बातों में बीत न जाए रैना...। इंतजार किस बात का, अपने लक्ष्य के लिए धैर्य और कर्म को अपने तरकश में लेकर चलिए। नेपोलियन हिल ने कहा है - "इंतजार मत करिए, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता"। अपने स्वभाव पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने के लिए दोस्ती का दायरा बढ़ाइए। कटुता कहने से बचिए। आपने देखा होगा या महसूस किया होगा कई बार कुछ लोग देखने में भले ही आकर्षित न हो, पर वह नायाब नगीने से होते हैं। मनुष्य का स्वभाव भी ऐसा ही होना चाहिए, जो व्यक्ति आपसे एक बार मिले वह वर्षों तक आपके व्यवहार को अपने हृदय में नायाब नगीने सा बसा कर रखे।

बाल कहानी
सपनों के पंख

एक रवि नाम का नौ साल का लड़का था। हर सुबह जब उसका अलार्म बजता, वह बेमन से उठता। स्कूल जाने की तैयारी उसके लिए किसी भारी काम से कम नहीं लगती थी। बस्ता इतना भारी होता कि उसे उठाते ही उसकी कमर झुक जाती। स्कूल के लंबे घंटे, होमवर्क का बोझ और पढ़ाई की वही घिसी-पिटी दिनचर्या, सब उसे बहुत थकाने वाला लगता था। एक रात, जब रवि थकान के कारण जल्दी सो गया, तो उसने एक अद्भुत सपना देखा। रवि ने देखा कि वह एक बिल्कुल अलग स्कूल में है। वहां कोई घंटी नहीं बज रही थी, कोई सख्त नियम नहीं थे और सबसे खास बात, वहां बच्चों के चेहरे खिले हुए थे। स्कूल का नाम था "सपने वाला स्कूल"। इस स्कूल में बच्चे जब चाहें तब आ सकते थे और जब चाहें घर जा सकते थे। किसी को जबरदस्ती बैठकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं थी। यहां पढ़ाई-खेल और मस्ती में घुली हुई थी, जैसे दूध में मिश्री।

रवि ने देखा कि स्कूल के मैदान में बच्चे हर तरफ खेल रहे थे। कोई झूले पर झूल रहा था, कोई पतंग उड़ा रहा था। कुछ बच्चे पेड़ की छांव में बैठकर किताबें पढ़ रहे थे। शिक्षक भी बच्चों के साथ हंसते-खेलते और कहानियां सुनाते थे। स्कूल कभी बच्चों के घर पहुंच जाता, तो कभी किसी पार्क या नदी के किनारे। वहां कोई बस्ता नहीं था, सिर्फ सपनों के पंख थे, जो बच्चों के कंधों पर सजाए गए थे। सबसे मजेदार बात यह थी कि इस स्कूल में कोई नियम या कायदा ऊपर से नहीं थोपे जाते थे। बच्चे खुद तय करते थे कि स्कूल में क्या होगा। परीक्षा का डर, होमवर्क का बोझ-यहां कुछ भी नहीं था।

रवि ने देखा कि वहां बच्चों को प्रतिभाशाली साबित करने की जरूरत नहीं थी। स्कूल के शिक्षक मानते थे कि हर बच्चा एक बीज की तरह है, जिसे बस सही समय पर खिलने का मौका चाहिए। कुछ बच्चे देर से खिलते हैं और यही बात उन्हें खास बनाती है। रवि रंगीन सपने की इस दुनिया में खोया हुआ था, तभी अलार्म की तेज आवाज से उसकी नींद खुल गई। उसकी मां दरवाजे पर खड़ी थीं, "रवि! जल्दी उठो, स्कूल की बस आने वाली है।" रवि ने भारी मन से आंखें खोलीं। उसने चारों ओर देखा-कोई झरना नहीं, कोई पार्क नहीं, सिर्फ उसकी चारदीवारी थी। उसने बस्ते की ओर देखा, जो हमेशा की तरह किताबों से भरा हुआ था। बस में बैठते हुए उसने सपने के उस रंगीन स्कूल को याद किया। खिड़की के बाहर देखते हुए उसे लगा कि असल जिंदगी का स्कूल बच्चों के मनोभावों को समझ ही नहीं पाता। शिक्षक, किताबें और परीक्षा सब बच्चों को अपनी मर्जी से ढालने की कोशिश में लगे रहते हैं। रवि ने मन ही मन कहा, "काश, स्कूल ऐसी जगह होती, जहां हर बच्चा अपने सपने पूरे कर सके, जहां पढ़ाई के साथ-साथ जिंदगी को जीने का मजा भी मिले। शायद मेरा सपना कभी सच हो जाए।" बस ने स्कूल के गेट पर रुकते हुए हॉर्न दिया। रवि अपनी सीट से उठा और भारी कदमों से स्कूल की ओर बढ़ गया।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

खाना खजाना

गुलाब जामुन की सब्जी

गुलाब जामुन की सब्जी जोधपुर की पाक परंपरा का वह अनोखा अध्याय है, जिसने मिठास और मसाले को एक ही थाली में संगम दे दिया। मरुस्थल की भूमि पर हरी सब्जियों की कमी ने जब नई खोजों को जन्म दिया, तब कुशल रसोइयों ने मिठाइयों को सब्जी के रूप में ढालकर स्वाद की नई परिभाषा रची। रुई जैसी मुलायम गुलाब जामुन जब मसालेदार ग्रेवी में मिलने लगती है, तो उसका स्वाद अद्भुत अनुभव बन जाता है। यह व्यंजन राजस्थानी रचनात्मकता का प्रतीक है, जहां स्वाद, परंपरा और नवाचार एक साथ खिलते हैं।

सामग्री

- फीके गुलाब जामुन 10
- 100 ग्राम फीका मावा
- 1/2 कप दूध
- 1/2 लीटर दूध
- 1/2 चम्मच शक्कर
- 1/2 किलो दही
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 2 लौंग
- 2 तेज पत्ते
- 2 बड़े चम्मच घी
- 2 चम्मच धनिया पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- चुटकीभर हींग
- 1 चम्मच जीरा
- थोड़े मात्रा में काजू व किशमिश
- जरा-सा बारीक कटा धनिया

बनाने की विधि

सबसे पहले आप आधा लीटर गर्म दूध में गुलाब जामुन भिगोकर रख दें। (दरअसल गर्म दूध में भिगोने पर गुलाब जामुन अंदर से एकदम नरम रुई की तरह मुलायम हो जाते हैं।)

ग्रेवी के लिए दही को अच्छी तरह से फेंट लें, इसमें नमक मिला लें। अब एक फ्राइपैन में घी गर्म करें, इसमें जीरा, लौंग, तेज पत्ता का तड़काएं। बाद में इसमें फैंटा हुआ दही, मिर्च, हल्दी और धनिया डाल दें। इसे धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकने दें साथ ही लगातार चलाते रहें। अब कसा हुआ मावा, 1/2 कप दूध, 1/2 चम्मच शक्कर मिलाएं, आपकी ग्रेवी तैयार है। इसमें दूध में भिगोये हुए गुलाब जामुन डालकर 1-3 तक मिनट तक पका लें। अब आप इसे सर्व करते समय एक बाउल में गुलाब जामुन की सब्जी को निकाल लें। ऊपर से बारीक कटा धनिया, काजू, किशमिश डालकर सर्व करें।

नोट: आप इस सब्जी को काजू-दही की मिक्स ग्रेवी या खसखस-दही की मिक्स ग्रेवी या नारियल बूरा-दही की मिक्स ग्रेवी के साथ भी बना सकते हैं और अपनी पसंदानुसार प्याज लहसुन का प्रयोग कर सकते हैं।

एस.बी. मुथा
फूड ब्लॉगर

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

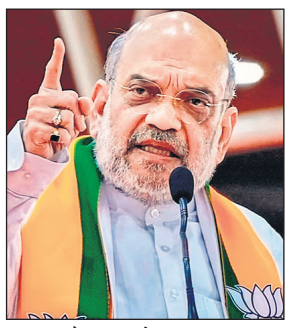

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं।

शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुरः अलीनगर (दरभंगा): एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : जेपी नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अगली सुनवाई 3 को

कानपुर। कुशाग्र हत्याकांड में जिरह जारी है। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को हत्या कर दी गई थी।

सूचना

मैं लक्ष्मी साहू पुत्री स्व0 मुन्ना लाल साहू निवासी–260/35 नवाबगंज, बजारखाला, ऐशबाग, लखनऊ की हूँ:– जो कि मेरे मैं भूखण्ड संख्या–55, स्थित–ग्राम–माती, तहसील–नवाबगंज, जिला–बाराबंकी का मूल विक्रय विलेख दिनांक 30.07.2014 जो कि कार्यालय उपनिबन्धक–बाराबंकी के अभिलेखो में बही संख्या–1, जिल्द संख्या–7891, पृष्ठ संख्या–328 से 407, क्रमांक संख्या–13686 पर दिनांक 30.07.2014 को पंजीकृत है। उक्त विक्रय विलेख ऐशबाग, लखनऊ के क्षेत्र में दिनांक 08.09.2025 को कही खो गई है, जो कि काफी तलाश करने के बाद भी नही मिल सकी, जिसकी एफ0आई0आर0 दिनांक 28.10.2025 को मेरे द्वारा थाना–बजारखाला, लखनऊ में दर्ज करा दी गयी है।

लक्ष्मी साहू)
मो0–8881017152

सूचना

मैं दिलीप कुमार आहूजा कर्ता (एच0यू0एफ0) पुत्र स्व0 गुरनामल आहूजा उर्फ हरिश चन्द्र निवासी–11 बाबागंज, जिला–प्रतापगढ़, उ0प्र0, हाल निवासी–215, कसमन्डा अपार्टमेन्ट, द्वितीय तल, 2, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ का हूँ:– जो कि मेरे मैं भूखण्ड संख्या–2174/13/1 का भाग स्थित–आशुतोष नगर लखनऊ का मूल विक्रय विलेख दिनांक 25.04.2010 जो कि कार्यालय उपनिबन्धक–पंचम, लखनऊ के अभिलेखो में बही संख्या–1, जिल्द संख्या–5748, पृष्ठ संख्या–297 से 352, क्रमांक संख्या–5052 पर दिनांक 25.04.2010 को पंजीकृत है। उक्त विक्रय विलेख हजरतगंज, लखनऊ के क्षेत्र में कही खो गई है, जो कि काफी तलाश करने के बाद भी नही मिल सकी, जिसकी एफ0आई0आर0 दिनांक 10.01.2025 को मेरे द्वारा थाना–हजरतगंज में दर्ज करा दी गयी है।

दिलीप कुमार आहूजा
कर्ता एच0यू0एफ0
मो0–9415002584

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद "खुली निविदा" वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा नोटिस सं:** 43 वर्ष 2025. **कार्य का विवरण:** सिग्नल और टेलीकॉम कण्ट्रोल रूम, नेटवर्क मैनेजमेंट OFC सिस्टम और डाटालॉगर नियंत्रण कक्ष के स्थानांतरण से संबंधित S&T कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹2,14,99,032.71. **बयाना राशि:** ₹2,57,500.00. **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹00.00 **कार्य समापन अवधि:** 90 दिन। (1) निविदाओं के बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय: 27.11.2025 at 15.00 Hrs **नोट:** 1. इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैन्युअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण एवं निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें।

मुजाधि/सिग्नल-62 बमसिदूई, लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय नगर पंचायत रूपईडीहा जनपद बहराइच

पत्रांक सं0–176/न0पं0 रूपई0 / स्व0भा0मि0 निविदा / 2025–26 दिनांक – 01–11–2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रूपईडीहा जनपद बहराइच में स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय 2.0 के अन्तर्गत दिनांक – 17.11.2025 को निविदा समय 02:00 बजे तक कार्यालय प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय बहराइच में आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिनांक को समय 04:00 बजे प्रभारी अधिकारी / अधिशासी अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक फर्मो / ठेकेदारो से अनुरोध है कि दिनांक–13.11.2025 को कार्यालय नगर पंचायत रूपईडीहा के निर्माण विभाग से सम्पर्क कर निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त कर लें। निविदा के समय 02% धरोहर धनराशि F. D. R./C.D.R के रूप में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत रूपईडीहा के पक्ष में बन्धक कर जमा किया जाना अनिवार्य होगा। निविदा के साथ हैसियत व चरित्र प्रमाण–पत्र तथा जी0एस0टी0 एवं आयकर पंजीकरण आदि प्रपत्रो के साथ–साथ रू0 –100.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र के साथ संलग्न करना होगा। कम से कम 03 निविदाओं का होना अनिवार्य है अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। स्वच्छ भारत मिशन शासनादेश सं0–पी0एम0यू0 / 91062563 / 2023 राज मिशन निदेशक लखनऊ दिनांक – 16 अक्टूबर, 2023 में स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष बढ़ी हुई धनराशि राज्यवित्त आयोग से भुगतान की जायेगी।

निविदा का विवरण निम्नवत है:–

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र शुल्क मय G.S.T.	कार्य अवधि
1	वार्ड नं0 – 10 मो0 राम जानकी नगर रूपईडीहा बस डीपो के पास सार्वजनिक शौचालय 05 सीटर का निर्माण कार्य।	9,95,000.00	19,900.00	1000.00	03 माह
2	वार्ड नं0–12 मो0 आजाद नगर रूपईडीहा में डा0 मदन के घर के पीछे 05 सीटर पिंक शौचालय का निर्माण कार्य।	9,90,000.00	19,800.00	1000.00	03 माह
3	नगर पंचायत रूपईडीहा में विभिन्न स्थानो पर 03 अदद यूरिनल का निर्माण कार्य	96,000.00	2000.00	125.00	03 माह

नियम व शर्तें:–

1. निविदादाता को 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर0 / टी0डी0आर0 / सी0डी0आर0 / एन0एस0सी0 जो अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत रूपईडीहा के पदनाम से बन्धक हो निविदा फार्म के साथ पृथक–पृथक संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
2. जिन ठेकेदारों / फर्मो के हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र की निर्धारित समयवृद्धि समाप्त हो गयी है, उनकी निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।
3. निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण पत्र एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र जो निर्धारित समयावधि के अन्दर का हो तथा रू0 100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित शपथ पत्र के साथ–साथ पंजीयन प्रमाण पत्र, आयकर, जी0एस0टी0, श्रम विभाग में पंजीकरण प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र स्वतः प्रमाणित छायाप्रतियां टेण्डर फार्म के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
4. अपरिहार्य कारणों से यदि निविदा फार्म प्राप्त किये जाने अथवा निविदा डालने एवं खोलने की तिथि तक किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो निविदा खोलने की तिथि की कार्यवाही अगले कार्य दिवसों में होगी। स्थान व समय तथा निविदा की वैद्यता अवधि पूर्ववत् रहेगी। कार्यस्थल पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, कार्य के दौरान व कार्य के पूर्ण होने पर अलग–अलग फोटोग्राफ देना होगा एवं कार्य प्रारम्भ से पूर्व डिस्प्ले बोर्ड ठेकेदार को लगाना होगा।
5. निविदा स्वीकृति के उपरान्त कार्यादेश निर्गत होने के पश्चात् कार्य प्रारम्भ की सूचना अवर अभियन्ता, नगर पंचायत रूपईडीहा को लिखित रूप में ठेकेदार को देना होगा। तदोपरान्त अवर अभियन्ता के निर्देशानुसार कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा तथा कार्य पूर्ण होने पर ठेकेदार को लिखित रूप में कार्य पूर्ण होने के सम्बन्ध में सूचना अवर अभियन्ता को देना होगा।
6. कार्यस्थल पर निरीक्षण के दौरान यदि कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पायी जाती है तो उक्त ठेकेदार को तत्काल अवर अभियन्ता के निर्देशानुसार कार्य को मानक के अनुरूप पूर्ण कराना होगा, अन्यथा कराये गये कार्य का भुगतान नहीं किया जायेगा तथा ठेकेदार के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।
7. स्थल पर कार्य पूर्ण होने से पूर्व प्रयुक्त निर्माण सामग्री की जांच ठेकेदार को स्वयं अपने खर्च पर करानी होगी।
8. सभी कार्यो हेतु न्यूनतम 03 निविदाएँ प्राप्त होने पर ही निविदा की स्वीकृति पर कार्यवाही की जायेगी। निर्माण कार्यो के आगणन में 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सम्मिलित है, जिसका भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।
9. निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि के अन्दर न्यूनतम निविदादाता को पूर्ण कराना होगा। उपरोक्त समस्त शर्तों का पालन ठेकेदार/फर्म को करना होगा, अन्यथा की स्थिति में निविदा की स्वीकृति पर विचार नहीं किया जायेगा।
10. समस्त निविदादाताओ का पंजीकरण नगर पंचायत रूपईडीहा में होना अनिवार्य है यदि किसी का पंजीकरण नही है तो निविदा स्वीकृत उपरान्त नियमानुसार पंजीकरण कराना होगा। अन्यथा निविदा निरस्त कर दी जायेगी।

(राम बदन)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत रूपईडीहा
जनपद बहराइच

(उमा शंकर वैश्य)
अध्यक्ष
नगर पंचायत रूपईडीहा
जनपद बहराइच

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार

बोले सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

तेरहवीं एवं बहाभोज

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पिता जी **स्व. श्री लल्लन राम जी** का स्वर्गवास, मंगलवार, दिनांक 21.10.2025 को हो गया है। अतः आपसे निवेदन है कि उनकी दिवतंगत आत्मा की शांति हेतु आयोजित निम्नलिखित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर हमें कृतार्थ करें।

तेरहवीं एवं ब्रह्मभोज 04.11.2025 ब्रह्मभोज अपराह्न 2:00 बजे से कार्यक्रम स्थल ग्राम व पोस्ट–ढेलवाँ, थाना – नंदगंज, जिला गाजीपुर से सम्पन्न होगा।

शोकाकुल

फूलमती भारती (पत्नी), भोलाराम (भाई),
सत्यप्रकाश भारती, रवि चंद्रा, जशवंत
निवेदक – सुनील कुमार चन्द्रा (पुत्र)

मो.8279588425, 9554076412, 8948282016

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में हरप्रीत कौर सेठी एलियास सिमरन पत्नी अमरजीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम हरप्रीत कौर अरोरा पत्नी अमरजीत सिंह अरोरा है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। हरप्रीत कौर अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथकर्ता के पासपोर्ट में अमर जीत सिंह पुत्र अतम जीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम अमर जीत सिंह अरोरा पुत्र अतम जीत सिंह है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **अमर जीत सिंह अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली।**

सूचना

मैं **नानबाबू तिवारी पुत्र शीतला प्रमाद तिवारी, निवासी– ग्राम वीरपुर थाना–ललिया जनपद बलरामपुर** मेरा नाम पहले नानबाबू त्रिपाठी था जिसको बदलकर मैं अब अपना नाम नानबाबू तिवारी कर रहा हूँ भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैं राम लाल सैनी निवासी – कस्बा व पोस्ट चिनहट जिला–लखनऊ, अपने पुत्र मनीष कुमार सैनी को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता है। भविष्य में उसके द्वारा किए गये किसी भी गलत कार्यो से मेरा कोई लेना देना नही है।

सूचना

मैं तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) पुत्री प्रदीप श्रीधर तोडणकर (PRADEEP SHRIDHAR TODANKAR) निवासी–बी–404, रोहतास अपार्टमेन्ट नियर पिकनिक स्पाट रोड, विकास नगर लखनऊ उ0प्र0–226022, मेरा सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) जो कि आधार कार्ड में अंकित है। जबकि मेरा पूर्व नाम तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) व आधार कार्ड के अनुसार सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) है जो कि दोनों नाम मेरे ही है। मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मैं **अंकुश चतुर्वेदी पुत्र स्व. कृष्ण नारायण चौबे, निवासी–न्यू हैदराबाद, लखनऊ उ0प्र0,** मेरी बहन के आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में स्तुति चौबे अंकित है। जो कि सत्य एवं सही है। जबकि मेरे पिता स्व0 कृष्ण नारायण चौबे के सर्विस बुक में त्रुटिवश बहन का नाम स्तुति दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि स्तुति चौबे व स्तुति एक ही महिला अर्थात मेरी बहन का नाम है। वह इन दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती है।

सूचना

मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित है। उक्त दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है। भविष्य में मुझे गया प्रसाद कनौजिया के नाम से जाना व पहचाना जाये। गया प्रसाद कनौजिया सुत स्व0–सोमई निवासी–ग्राम व पोस्ट –भाई थाना–धम्मौर जनपद–सुलतानपुर उ0प्र0

सूचना

मैं **अमरेन्द्र सिंह उर्फ पीयूष सिंह पुत्र अनूप कुमार सिंह निवासी ग्रा. बहादुरपुर पो. पूरे पाण्डेय, थाना सरेनी, जिला रायबरेली** का हूं। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है। मेरी भारतीय जीवन बीमा पालिसी संख्या 236884864 में जन्म तिथि 03–08–2007 है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सरेनी–रायबरेली

पत्रांक 3268/आंकिक/रा.वि./15 वॉ.वि.यो./2025–26 दिनांक– 01.11.2025

निविदा सूचना

राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में क्षेत्र पंचायत–सरेनी रायबरेली द्वारा प्रस्तावित निम्नलिखित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु निर्माण कार्यदायी संस्थाओं में पंजीकृत ठेकेदारों / कार्यदायी संस्थाओं से मुहरबन्द निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 03.11.2025 से 17.11.2025 अपरान्ह 2:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क नकद जमा कर खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सके है। निविदा दाताओं द्वारा अपनी मुहरबन्द निविदा दिनांक 18.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा की जा सकती है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई भी विचार नहीं किया जायेगा। प्राप्त समस्त निविदायें दिनांक 18.11.2025 को ही अपरान्ह 4:00 बजे निविदा दाताओं / उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निविदा समिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र के साथ निविदा दाता के पैनकार्ड, जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र एवं सौ रू0 के स्टॉम्प पेपर पर फोटो सहित स्वघोषणा पत्र, जो नोटरी द्वारा प्रमाणित हो, भी संलग्न करना होगा। निविदा प्रपत्र पर कोई कटिंग अथवा उपरिलेखन मान्य नहीं होगा। निविदा को किसी भी समय बिना कारण बताए निरस्त / स्थगित करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी सरेनी रायबरेली में निहित होगा। किसी भी विवाद की स्थिति में विवाद का निर्णय द्विपक्षीय वार्ता द्वारा किया जायेगा तथा अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अन्तिम रूप से मान्य होगा।

क्र0 सं0	योजना का नाम	ग्राम पंचायत	कार्य का विवरण	धनू (लाख में अनु)	जमा0 2 प्रति की धनु0	निविदा फार्म मूल्य
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य वित्त	हरीपुर	पियूष सिहं के घर से धीरेन्द्र सिहं खते तक इ0ला0 मरम्मत	5.25	0.105	1050
2	राज्य वित्त	मथुरपुर	पूरे चित्ता में सुबोध सिहं मास्टर के घर से रमेश सिहं के घर तक इ0ला0	5.25	0.105	1050
3	राज्य वित्त	पहुरी (कुशलखेडा)	कुशलखेडा पक्की सडक से मन्दिर तक इ0ला0	6.50	0.130	1300
4	अनटाइड	नीबी	पूसू के घर के पास से लाला भुजवा के घर तक इ0ला0	2.50	0.050	500
5	अनटाइड	रानीखेडा	गुरुदीन पाल के दरवाजे से महिपाल के दरवाजे तक इण्टरलाकिंग निर्माण	8.50	0,170	1400
6	अनटाइड	पाठकखेडा	राजापुर के ऊचगांव रोड से (शीतला मन्दिर) गुड्डू के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण	8,50	0.170	1400
7	टाइब	दरियापुर	अमरेश सिंह के घर के पास से शिवसेवक के घर के पास तक 200 मी0 नाला नि0 (2024–25)	9.00	0.180	1400
8	राज्य वित्त	उमरापुर	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
9	राज्य वित्त	कोडरा	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
10	राज्य विता	चकचोरहिया	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
11	राज्य वित्त	सिधौरतारा	गौशाला में हाई मास्क लाइट स्थापना	6.00	0.120	1200
12	राज्य वित्त	रानीखेडा	डा0 पवन अग्निहोत्री के घर से धर्मेन्द्र गौड के घर तक इ0ला0 100 मी0	6.00	0.120	1200
13	राज्य वित्त	हमीरगांव	मुख्य मार्ग से गगेश्वर मन्दिर तक इ0ला0 150 मी0	6.00	0.120	1200
14	राज्य वित्त	नीबी	भोलापाल के घर से अमृत लाल गुप्ता तक इ0ला0 50 मी0	2.50	0.050	500
15	राज्य वित्त	रसूलपुर	सोहन बैरागी के दरवाजे से सी0सी0 रोड तक इ0ला0	8.00	0.16	1400

कार्यो के आगणित कुल मूल्य की 2 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी की धनराशि का राष्ट्रीय बचत पत्र, आर0डी0 पासबुक अथवा एफ0डी0आर0 जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बन्धक होगा निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न किया जायेगा तथा जिस ठेकेदार की निविदा स्वीकृत की जायेगी उसे अवशेष 8 प्रतिशत धनराशि (धरोहर राशि) का राष्ट्रीय बचत पत्र, आर0डी0 पासबुक अथवा एफ0बी0आर0 जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बनाक होगा, के जमा करने के उपरान्त ही कार्यादेश निर्गत किया जायेगा। भुगतान से पूर्व रायल्टी का एम0एम0–11 जमा करना अनिवार्य होग

खण्ड विकास अधिकारी
सरेनी–रायबरेली

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

शैडोफैक्स ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,000 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस के तहत फ्लिपकार्ट इंटरनेट, एट रोड्स इन्वेस्टमेंट्स, न्यूक्वेस्ट एशिया फंड, नोकिया ग्रोथ पार्टनर्स, आईएफसी, मिरे एसेट, क्वालकॉम एशिया पैसिफिक, और स्नैपडील के संस्थापक कुनाल बहल व रोहित बंसल अपने कुछ शेयर बेचेंगे। फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स शैडोफैक्स के प्रमुख निवेशक हैं।

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा। अक्टूबर में यह 210 .71 गीगावाट रही ।

पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सबसे अधिक

कराची। पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सितंबर में तीन साल के उच्चतम स्तर 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कपड़ा निर्यात को मूल्यवर्धित श्रेणियों की मजबूत मांग और नए वैश्विक ऑर्डरों से मजबूती मिली। बुने हुए परिधानों का निर्यात 48 .5 करोड़ डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पाकिस्तान के मूल्य-वर्धित क्षेत्र की मजबूती को रेखांकित करता है।

सीआईएल के सीएमडी बने सनोज झा

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज झा ने शनिवार को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया। झा की यह नियुक्ति शनिवार से प्रभावी होगी और यह व्यवस्था नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति या अगला आदेश जारी होने, इनमें से जो भी पहले हो, तक लागू रहेगी। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि झा ने यह जिम्मेदारी पी एम प्रसाद के सेवानिवृत्त होने के बाद संभाली।

5,817 करोड़ के 2,000 के नोट अब भी चलन में

मुंबई। आरबीआई द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 5,817 करोड़ रुपये मूल्य के 2,000 रुपये के नोट अभी भी चलन में हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। ये नोट अभी भी वैध मुद्रा के रूप में बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि चलन में 2,000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 31 अक्टूबर, 2025 तक घटकर 5,817 करोड़ रुपये रह गया है, जो 19 मई, 2023 को 3 .56 लाख करोड़ रुपये था। आरबीआई के अनुसार 19 मई 2023 तक प्रचलन में रहे 2,000 रुपये के 98 .37 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में 19 मई, 2023 से 2,000 रुपये के नोटों को बदलने की सुविधा उपलब्ध है।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48 प्रतिशत बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में कुल 1,39,302 ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो संगठन की बढ़ती विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता का प्रमाण है।

द.प. रेलवे का माल ढुलाई राजस्व 10 प्रतिशत बढ़ा

बेंगलुरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने अक्टूबर 2025 में माल ढुलाई से 421.25 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। एसडब्ल्यूआर ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने अक्टूबर 2024 में माल ढुलाई से 382.79 करोड़ रुपये की आय अर्जित की थी। रेलवे ने बताया कि अक्टूबर महीने में 41 लाख टन माल लोड किया गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में लोड किए गए 36 लाख टन की तुलना में 13 .9 प्रतिशत अधिक है। यही वजह है कि इस बार माल ढुलाई राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने एक बयान में कहा कि यह मजबूत मासिक प्रदर्शन माल ढुलाई व्यवसाय के विकास, लोडिंग दक्षता में सुधार और कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा गोवा के उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय से संभव हो सका।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

डिपॉजिटरी सेवाएं

सुरक्षा, सुविधा व पारदर्शिता

डिपॉजिटरी सेवाएं वित्तीय प्रणाली का हिस्सा हैं, जिनके माध्यम से निवेशकों के शेयर, बॉण्ड और अन्य प्रतिभूतियां इलेक्ट्रॉनिक रूप में सुरक्षित रखी जाती हैं। पहले निवेशकों को शेयर प्रमाणपत्र कागज के रूप में मिलते थे, जिससे गुम होने, चोरी या फर्जीवाड़े की संभावना रहती थी। लेकिन अब डिपॉजिटरी सेवाओं की मदद से यह सब डिजिटल रूप में हो गया है। भारत में मुख्य रूप से दो डिपॉजिटरी- एनएसडीएल और सीडीएसएल निवेशकों को यह सुविधा देती हैं। ये संस्थान डीमैट खाते के माध्यम से प्रतिभूतियों का सुरक्षित भंडारण, स्थानांतरण और निपटान सुनिश्चित करते हैं, जिससे लेन-देन सरल, सुरक्षित और पारदर्शी हो गया है।

बैंकों की तरह करती है काम

डिपॉजिटरी सेवाएं बैंकों की तरह काम करती हैं, फर्क इतना है कि बैंक नकदी संभालते हैं जबकि डिपॉजिटरी शेयर, डिबेंचर, बॉण्ड, म्यूचुअल फंड यूनिट्स जैसी प्रतिभूतियों को संभालती हैं। यह सेवाएं डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी) के माध्यम से निवेशकों तक पहुंचती हैं। डीपी में बैंक, ब्रोकिंग हाउस या वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं।

निवेशकों को लाभ

- **सुरक्षा :** इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड होने से शेयरों के चोरी या गुम होने का जोखिम खत्म होता है।
- **सुविधा :** लेन-देन ऑनलाइन होने से समय और लागत दोनों की बचत होती है।
- **त्वरित निपटान :** शेयरों के हस्तांतरण में लगने वाला समय काफी घट गया है।
- **पारदर्शिता :** सभी ट्रांजैक्शन रियल-टाइम में रिकॉर्ड होते हैं, जिससे गड़बड़ी कम होती है।
- **डिविडेंड और बोनस का सीधा क्रेडिट :** निवेशकों को सीधे उनके खातों में लाभांश या बोनस शेयर प्राप्त होते हैं।

संभावित हानियां

- **तकनीकी जोखिम :** साइबर हमले या सिस्टम फेल होने पर डेटा सुरक्षा की चिंता।
- **चार्जेज :** डीमैट खाता खोलने, मेंटेन करने और ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगता है।
- **लापरवाही :** पासवर्ड या खाता विवरण साझा करने से दुरुपयोग की संभावना।

आधुनिक सुरक्षा कवच

डिपॉजिटरी सेवाओं ने शेयर बाजार को आधुनिक और सुरक्षित बनाया है। निवेशकों के लिए यह पारदर्शी, त्वरित व सुविधाजनक निवेश वातावरण प्रदान करती हैं। सतर्कता और नियमित खाता निगरानी जरूरी है ताकि इनका लाभ उठाया जा सके।

5 वर्ष में 5 लाख रोजगार का लक्ष्य : गडकरी

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोज़गार के अवसर पैदा करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। गडकरी ने नागपुर नगर निगम, टाटा ट्रस्ट के कौशल विकास कार्यक्रम टाटा स्ट्राइव और विदर्भ ग्लोबल फ़ाउंडेशन के साथ साझेदारी में औद्योगिक विकास संघ (एआईडी) की पहल नागपुर कौशल केंद्र के उदघाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य केंद्रित कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने पांच वर्षों के भीतर विदर्भ में पाँच लाख रोज़गार पैदा करने का लक्ष्य रखा है। क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 5,000 युवाओं को नागपुर कौशल केंद्र में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त होगा। यह इस लक्ष्य को चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह हासिल किया जा सकता है। यह एक बड़ा लक्ष्य है, लेकिन हासिल किया जा सकता है। उन्होंने नागपुर स्थित मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट (एमएसएएन) परियोजना को सफल रोज़गार सृजन का एक उदाहरण बताया, जिससे लगभग एक लाख रोज़गार के अवसर पैदा हुए।

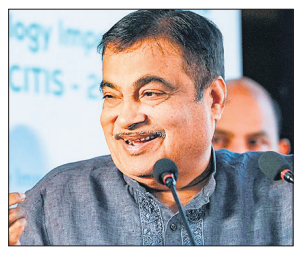

● केंद्रीय परिवहन मंत्री ने एआईडी के कार्यक्रम को किया संबोधित

गडकरी ने कहा कि विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा, पर्यटन, आतिथ्य, खनन, हथकरघा, हस्तशिल्प और कृषि जैसे क्षेत्रों में भी रोज़गार सृजन की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने केंद्र से ग्रामीण युवाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करने का आग्रह किया ताकि रोज़गार की तलाश में शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कम किया जा सके। इस मौके पर टाटा स्ट्राइव के मुख्य परिचालन अधिकारी अमेय वंजारी ने कहा कि संगठन युवाओं में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में, टाटा स्ट्राइव ने भारत में 40 केंद्रों में 25 लाख से अधिक शिक्षार्थियों को सहयोग दिया है। नागपुर कौशल केंद्र हमारा 41वां होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र विनिर्माण, विद्युत, सौर ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंकिंग में दो से तीन महीने के अल्पकालिक, क्षेत्र-विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करेगा, जिसके बाद नौकरी पर प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम नागपुर के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल विकसित करने के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। एआईडी के अनुसार, नया केंद्र विदर्भ में कुशल कार्यबल तैयार करने और औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कमोडिटी बाजार दे रहा मंदी के संकेत

अर्थ डेस्क, बरेली

ऊर्जा क्षेत्र पर दबाव, सोना बना मजबूत सहारा

अमृत विचार : नवंबर माह में वैश्विक कमोडिटी बाजार मंदी के संकेत दे रहा है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में कमोडिटी कीमतों में औसतन 7% की गिरावट की आशंका बनी हुई है। ये वैश्विक आर्थिक सुस्ती, तेल की अधिकता और नीतिगत अनिश्चितताओं से हो रही है। 2026 तक कीमतें छह वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच सकती हैं, हालांकि 2019 की तुलना में अब भी 23% अधिक बनी रहेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा, धातु और कृषि क्षेत्रों में अलग-अलग रुझान देखने को मिल रहे हैं।

ऊर्जा क्षेत्र पर इस समय सबसे ज्यादा दबाव है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 31 अक्टूबर 2025 को 64.66 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो गत माह की तुलना में 1% नीचे है। विश्व बैंक का अनुमान है कि आगामी माह में औसत कीमत 68 डॉलर प्रति बैरल रहेगी, जबकि 2026 में ये 60 डॉलर तक गिर सकती है। ओपेक+ देशों के उत्पादन बढ़ाने और चीन की कमजोर मांग से अधिशेष बढ़ रहा है। वहीं, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतें 4.12 डॉलर प्रति पर हैं, जो एलएनजी निर्यात बढ़ने से 2025 में 60% तक ऊपर जा सकती हैं। यूरोपीय गैस कीमतों में इस समय 10% बढ़ोतरी और 2026 में 11% गिरावट की आशंका है। वहीं, धातु क्षेत्र में सोना मजबूती बनाए हुए है। 31 अक्टूबर को सोना 3,997.10 डॉलर प्रति औंस पर था। 2025 में इसमें 42% की वृद्धि और 2026 में 5% की और बढ़ोतरी का अनुमान है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और भू-राजनीतिक तनाव इसकी मुख्य वजह हैं। वहीं, तांबा 5.09 डॉलर प्रति पाउंड पर है और 3% वृद्धि की उम्मीद है। लौह अयस्क चीन के रियल एस्टेट संकट से 10% तक गिर सकता है।

कृषि क्षेत्र पर आपूर्ति की अधिकता से दबाव

कृषि बाजार में आपूर्ति बढ़ने से कीमतों पर दबाव दिख रहा है। गेहूं 533 .75 डॉलर प्रति बुशेल पर है, जो 5% तक गिर सकता है। अच्छी फसल और अनुकूल मौसम इसका मुख्य कारण हैं। अनाज और उर्वरक कीमतें मांग-सप्लाई के संतुलन से प्रभावित हैं। चावल और सोयाबीन पर से निर्यात प्रतिबंध हटने से नरमी आई है। 2026 में कृषि उत्पादों की कुल कीमतें 2% तक नीचे रह सकती हैं। वैश्विक बाजार पर कई आर्थिक व राजनीतिक कारक असर डाल रहे हैं। अमेरिकी मुद्रास्फीति 2 .9% है, जबकि डॉलर इंडेक्स 8% मजबूत हुआ है, जिससे आयातित कमोडिटी महंगी हो रही हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष, चीन की कमजोर औद्योगिक मांग और व्यापार तनाव ने बाजार की अस्थिरता बढ़ा दी है। 2026 तक स्थिरता तभी संभव है, जब वैश्विक आर्थिक सुधार के संकेत मजबूत हों और ऊर्जा उत्पादन में संतुलन बहाल किया जाए।

जेके सीमेंट का लाभ 27% बढ़ा, रेवेन्यू में 18% का इजाफा

नई दिल्ली। जेके सीमेंट ने शनिवार 1 नवंबर को जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर बताया कि उसका लाभ 27.6 फीसदी बढ़कर 160.5 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 125.8 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी का राजस्व इस दौरान सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 3,019 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,560 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी का परिचालन लाभ सालाना आधार पर 57% बढ़कर 446 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 284 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का परिचालन लाभ मार्जिन बढ़कर 14.8% पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 11.1% था।

जेके की ग्रे सीमेंट सेल्स 16% बढ़ी। वहीं व्हाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी की सेल्स में 10% की ग्रोथ दर्ज की गई, जिससे लाभ 176 करोड़ रुपये रहा।

जिंस बाजार

नीचे दाम पर किसानों की बिकवाली कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार

विदेश में गिरावट से अधिकांश तेल-तिलहन की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी बाजारों में नरमी और आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर की जा रही बिकवाली के बीच स्थानीय बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में नरमी देखी गई तथा सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन और बिनौला तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। गुजरात जैसे मुख्य उपभोक्ता राज्य में बरसात के मौसम की वजह से कमजोर कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

नीचे दाम पर किसानों की बिकवाली कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार आया। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में बाजार टूट रहा है। पिछले दिनों मलेशिया एक्सचेंज में 8-10% की गिरावट रही। जबकि तेल-तिलहन पर होने वाली परिचर्चाओं में कुछ प्रवक्ता एवं विशेषज्ञ, मलेशिया में 10% तेजी रहने का अनुमान जता रहे थे। सरकार ने 1 नवंबर को सीपीओ के आयात शुल्क मूल्य को 15 रुपये क्विंटल तथा पामोलीन का आयात शुल्क मूल्य 13 रुपये क्विंटल घटाया है। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल के आयात शुल्क में कोई घट-बढ़ नहीं करते हुए इसे स्थिर रखा है।

सूत्रों ने कहा कि ऊंचे भाव पर लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन, बैंकों में अपना ऋण-साखपत्र चलायमान रखने के मकसद से आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली करने से सोयाबीन तेल, आयात शुल्क मूल्य घटाये जाने से सीपीओ एवं पामोलीन तथा खराब बाजार धारणा की वजह से बिनौला तेल के दाम में गिरावट रही।

● लागत से कम दाम पर आयातकों की ओर से की जा रही बिकवाली

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859 .91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318 .60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति शृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेंसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

पात्रता नहीं, चयन प्रक्रिया की वैधता के आधार पर नियुक्तियां निरस्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर स्थित मदरसा कुरानिया में नियुक्त दो शिक्षकों की याचिकाएं खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी नियुक्तियां कानूनी रूप से अवैध थीं, क्योंकि उन्हें ऐसे समय में नियुक्त किया गया था, जब मदरसा की प्रबंधन समिति अस्तित्व में नहीं थी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने मोहम्मद साजिद खान और अन्य की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि 20 जनवरी 2017 से 24 फरवरी 2018 के बीच मदरसा की कोई वैध प्रबंधन समिति नहीं थी। इस अवधि के दौरान की गई कोई भी नियुक्ति या वित्तीय स्वीकृति वैधानिक रूप से निरस्त मानी जाएगी। 20 जनवरी 2017 से 24 फरवरी 2018 के बीच संबंधित मदरसे की मान्य प्रबंध समिति अस्तित्व में नहीं थी। याचियों ने यह तर्क दिया कि बिना उन्हें सुने उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई लेकिन कोर्ट ने इसे असंगत ठहराते हुए कहा कि मामला उनकी पात्रता का नहीं, बल्कि नियुक्ति प्रक्रिया की वैधता का है।

मिस्त्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

काहिरा, एजेंसी

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

मिस्त्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्त्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्त्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्त्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

दुधवा में लौटी रौनक, जंगल सफारी का लिया आनंद

संवाददाता, पीलीभीत/ खीरी

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में शनिवार को रौनक लौट आई। वन मंत्री ने नए बराही गेट का उद्घाटन किया और सफारी वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना कराया। वहीं, खीरी में विश्व विख्यात दुधवा नेशनल पार्क भी पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। पीटीआर में शनिवार को बराही रेंज स्थित वन विश्रामगृह में हवन पूजन के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के 12वें पर्यटन सत्र की शुरुआत हुई। पहले दिन स्कूली बच्चों समेत 500 से अधिक सैलानियों ने निशुल्क सफारी वाहनों से चूका बीच तक सैर की। पर्यटन सत्र के पहले दिन सैलानियों में खासा उत्साह देखा गया। वहीं, खीरी में दुधवा खुलने से पहले ही सैलानी यहां पहुंच गए और शनिवार को उद्घाटन के समय काफी तादात में रंग बिरंगी गाड़ियों से लोग जंगल की सैर करने और दुर्लभ जंतुओं का दीदार करने पहुंचे।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

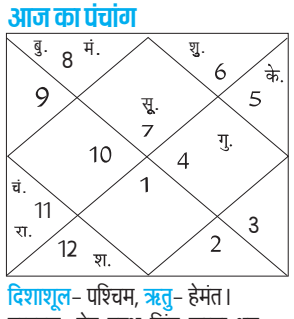

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष: आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष: आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन: आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क: आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह: आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या: आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला: आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक: आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु: आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर: आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ: आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन: आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

इतिहास रचने को तैयार भारतीय महिला टीम

खिताबी सूखा खत्म करने के लिए तीसरी बार फाइनल में पहुंचा भारत, आज होगा दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला

जेमिमा रॉड्रिग्स।

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था। भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

जीत की खुशी को महसूस करने का इंतजार है: हरमनप्रीत

नवी मुंबई : पहली बार आईसीसी विश्व कप जीतने को आतुर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शनिवार को यहां कहा कि उन्होंने वैश्विक मंच पर कई बार हार के गम को झेला है लेकिन उनकी टीम रविवार को जीत का स्वाद लेने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही है। हरमनप्रीत ने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा हार के बाद क्या भावना होती है वह हमें अच्छी से पता है लेकिन हम जीतने के बाद की खुशी का लुत्फ उठाने का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल का दिन हमारे लिए विशेष होगा हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहेंगे। अभी तक काफी कड़ी मेहनत की है। अब यह अपना सब कुछ झोंक देने के बारे में है। भारत के लिए यह विश्व कप का तीसरा फाइनल है। टीम को इससे पहले 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। हरमनप्रीत 2017 में भारतीय टीम का हिस्सा थी।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है।

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

फाइनल में माहौल बिलकुल अलग होगा

नवी मुंबई : दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने भारत के खिलाफ महिला विश्व कप फाइनल मैच से पहले शनिवार को कहा कि उनकी टीम ने लीग चरण में भारत को हराया जरूर था, लेकिन खिताबी मुकाबले का माहौल बिल्कुल अलग स्तर का होगा। तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचे भारत ने दक्षिण आफ्रीका को इस वैश्विक प्रतियोगिता में 2005 में हराया था। इसके बार इन दोनों टीमों के बीच 2017, 2022 और 2025 में हुए उन्होंने कहा– नॉकआउट चरण लीग चरण से पूरी तरह अलग है। हमने देखा है कि लोग नॉकआउट मैचों में कुछ बहुत खास करने में सक्षम होते हैं जैसा कि हमने परसों रात जेमी से देखा था। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि हम अब लीग चरण में भारत के खिलाफ मिली जीत के बारे में सोच रहे हैं। हम जानते हैं कि हमें वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। भारत एक बहुत मजबूत टीम है और उनकी टीम शानदार जीत के साथ यहां आयी है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल

दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 156 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 156 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन